केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 05 बुधवार 24 जुलाई 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

प्रशिक्षुओं में विधायक ने वितरित किया टैबलेट

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हरैया विधानसभा के केनौना स्थित विद्या प्रसाद आईटीआई में मंगलवार को टैबलेट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें प्रशिक्षुओं को टैबलेट और स्मार्टफोन वितरित किया गया।

मुख्य अतिथि हरैया विधायक अजय सिंह ने प्रशिक्षुओं को टैबलेट और स्मार्टफोन वितरित करते हुए कहा कि सरकार की मंशा है कि गांव गरीब का बच्चा भी डिजिटल से दूर न हो, इसके लिए टैबलेट, लैपटॉप, मोबाइल फोन मुहैया कराए जा रहे हैं। टैबलेट मिलने के बाद आपकी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। आप हमेशा अपने कार्य के प्रति जागरूक रहें। कहा कि हमेशा अपनी रुचि के अनुसार लक्ष्य तैयार करके सफलता के लिए अपने लक्ष्य के प्रति संकल्पित हों और सकारात्मक सोचें। आईटीआई के संस्थापक डॉ शिव प्रसाद तिवारी ने प्रशिक्षणार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सरकार द्वारा विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ा जा रहा है। टैबलेट की सहायता से बहुत सी जानकारियां हासिल करने में मदद मिलेगी।

इस दौरान अवधेश यादव, दीनदयाल, गुरु प्रसाद, प्रवेश वर्मा, रामतौल, राम प्रवेश, शमशाद अहमद, संतोष शर्मा, सूरज शर्मा, उत्कर्ष पाण्डेय, विजय शंकर यादव, वीरेंद्र कुमार, नितेश कुमार, ओम सिंह, शुभम तिवारी, सनी मौर्य, योगेश पाठक सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

विकास कार्यों में लापरवाही क्षम्य नहीं

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शासन के प्राथमिकताओं के विकास कार्यो में किसी भी प्रकार की शिथिलता व लापरवाही क्षम्य नही होंगी। मण्डलीय अधिकारी विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य को समय से पूरा करना सुनिश्चित करें। उक्त निर्देश मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह ने मण्डलीय विकास कार्यो की मासिक समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिये है। उन्होने जनता दर्शन, आईजीआरएस में प्राप्त शिकायतों को गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया है। इस अवसर पर जिलाधिकारी रवीश गुप्ता, सिद्धार्थनगर के डा. राजा गणपति आर, संतकबीर नगर के महेन्द्र सिंह तवर उपस्थित रहें।

उन्होने फसल बीमा, पीएम कुसुम, सोलर पम्प वितरण आदि योजना की समीक्षा करते हुए संयुक्त निदेशक, कृषि को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उन्होने प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि प्रत्येक पात्र व्यक्यों को योजना का लाभ अवश्य मिलें। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता ना बरती जाय। उन्होने स्वास्थ्य विभाग में स्थापित उपकरणों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि सभी उपकरण कियाशील रहें, अगर कोई उपकरण में खराबी आती है तो उसे तत्काल ठीक किया जाय तथा आवश्यकता पड़ने की दशा में शासन से पत्राचार भी किया जाय।

बैठक का संचालन संयुक्त विकास आयुक्त संत कुमार ने किया। इसमें सीडीओ जयेंद्र कुमार, जयकेश त्रिपाठी, पीडी राजेश झा, संयुक्त निदेशक कृषि अविनाश चंद्र तिवारी, उपनिदेशक अर्थ एवं संख्या अमजद अली अंसारी, तीनों जिलों के मुख्य चिकित्साधिकारीगण, मुख्य अभियन्ता पीडब्ल्यूडी, अधीक्षण अभियन्ता पीडब्ल्यूडी, तीनों जिलों के अधीक्षण अभियन्ता विद्युत अधिशासी अभियन्ता सरयू नहर खण्ड–4 राकेश कुमार गौतम, डीएफओ जय प्रकाश, उपायुक्त उद्योग हरेन्द्र प्रताप तथा विभागीय अधिकारी गण उपस्थित रहे।

बजट में बिहार-आंध्र को मिली बंपर सौगात

नई दिल्ली (आभा)। मोदी सरकार 3.0का पहला बजट वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार (23 जुलाई) को पेश किया. बजट के साथ ही सबकी निगाहें इस पर टिकी थीं कि केंद्र सरकार का फोकस चुनावी राज्यों पर कितना रहेगा. हालांकि, बजट में चुनावी राज्यों को लेकर तो कोई खास ऐलान नहीं किया गया, लेकिन कुछ योजनाएं इन राज्यों के एक बड़े वर्ग को जरूर लाभान्वित कर सकती हैं।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि फ्री राशन योजना को अगले पांच सालों तक भी जारी रखा जाएगा. अहम ये है कि फ्री राशन के करीब 35 लाख लाभार्थी महाराष्ट्र, झारखंड और हरियाणा से हैं. जहां महाराष्ट्र में 1.10 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है तो वहीं झारखंड के करीब 34 लाख लोग इस योजना का लाभ उठा रहे हैं. बात अगर हरियाणा की करें तो यहां करीब 12 लाख लोग मुफ्त राशन योजना का लाभ ले रहे हैं.

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट पेश करते हुए पूर्वोदय योजना शुरू करने का ऐलान किया. वित्त मंत्री बोलीं कि इस योजना का लाभ पूर्वी भाग के राज्यों को मिलेगा. अहम ये है कि पूर्वोदय योजना के तहत बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और आंध्र प्रदेश के साथ ही झारखंड भी कवर हो रहा है. इस योजना के अंतर्गत नए संसाधन विकास के साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर और आर्थिक उन्नति के अवसरों के सृजन की बात कही गई है. प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान शुरू करने का भी ऐलान किया।

बजट से सिद्ध होंगें अमृतकाल के संकल्प– जगदम्बिका पाल

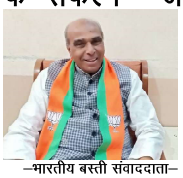

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। डुमरियागंज के सांसद जगदम्बिका पाल ने केंद्रीय बजट को अमृतकाल के सभी संकल्पों को सिद्ध करने वाला बताते हुये कहा कि यह बजट सर्वस्पर्शी, सर्वसमावेशी, विकासोन्मुखी है और विकसित भारत–आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का मजबूत मार्ग प्रशस्त होगा।

बजट पर दिल्ली से जारी अपनी प्रतिक्रिया में भाजपा सांसद जगदम्बिका पाल ने कहा कि बजट में गांव, गरीब, किसान, महिला, नौजवान समेत समाज के सभी तबकों के समग्र विकास का संकल्प, सभी क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनने की दृष्टि का रोडमैप है। मध्यम वर्ग को बड़ी राहत प्रदान करते हुए प्रत्यक्ष कर प्रणाली के संबंध में नए प्राविधानों स्वागत योग्य कदम है। इस बजट के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के प्रति आभार व्यक्त करते हुये सांसद जगदम्बिका पाल ने कहा कि यह आशाओं को पूरा करने वाला बजट है। बजट गरीबों को सक्षम बनाने वाला और 2047 में विकसित भारत के सपने को साकार करने वाला है। बजट को देश के किसानों, श्रमिकों, शोषित–वंचित वर्गों, युवाओं, महिलाओं और मध्य वर्गीय समाज को समर्पित है और समाज के हर तबके को ध्यान में रखकर इस बजट का रोडमैप तैयार किया गया है।

श्री पाल ने कहा कि वित्तमंत्री द्वारा पेश किया गया ये बजट 140 करोड़ देशवासियों की आशाओं–आकांक्षाओं की पूर्ति करने वाला है।

युवाओं में एड्स की जागरूकता के लिये मैराथन में ट्रांसजेण्डरों ने भी लगायी दौड

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी, लखनऊ के दिशा–निर्देशन में दिशा कलस्टर बस्ती द्वारा युवा उत्सव ''4 की बात'' थीम पर रेड रिबन मैराथन का आयोजन किया गया। मैराथन के दौरान महिला, पुरूष एवं ट्रांसजेण्डर ने बढ–चढ़ कर हिस्सा लिया।

मैराथन दौड़ का शुभारम्भ मुख्य चिकित्साधिकारी बस्ती ने हरी झण्डी दिखा कर किया गया। मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया के कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कलंक व भेदभाव समाप्त करते हुए ट्रांसजेंडर को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है उन्होने कहा कि युवाओं में एचआईवी काफी तेजी से फैल रहा है इस पर लगाम लगाने के लिए युवाओं को जागरूक होना पड़ेगा और समझदारी के साथ संयम और वफादारी अपने साथी के प्रति रखना होगा, उन्होंने कहा कि नाको द्वारा जारी टोल फ्री नंबर 1097 पर भी कॉल करके एचआईवी से सम्बंधित जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

जिला क्रीड़ा अधिकारी ने जिला एड्स नियंत्रण समिति एवं जिला स्वास्थ्य समिति का आभार ज्ञापित करते हुए कहा कि युवा उत्सव के माध्यम से खेल–खेल में बच्चों को जागरूक करने का तरीका काफी सराहनीय है।

दिशा कलस्टर, बस्ती के कलस्टर प्रोग्राम मैनेजर अखिलेश सिंह ने बताया कि रेड रिबन मैराथन एवं रेड रिबन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के दौरान प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों एवं प्रथम 05 को सांत्वना पुरस्कार तथा अन्य प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र से 25 जुलाई को राजकीय कन्या इंटर कालेज बस्ती के सभागार में दिन में 2 बजे मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया जायेगा।

इस दौरान दिशा कलस्टर के सीएम, ग्रामीण विकास सेवा समिति के संस्था सचिव, ट्रेनिंग आफिसर, जोनल सुपरवाइजर, कलस्टर लिंक वर्कर सम्पूर्ण सुरक्षा विलनिक के काउंसलर, सम्पूर्ण सुरक्षा मैनेजर, ओआरडब्लू, विहान परियोजना के प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर, सचिव, प्रबंधक इंदिरा चौरिटेबल सोसाइटी सहित उम्मीद संस्था के परियोजना प्रबंधक एवं ओआरडब्लू ने प्रतिभाग किया।

सी.एम.ओ. ने किया जन औषधि केन्द्र का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुख्य चिकित्साधिकारी डा. रमाशंकर दूबे वैदिक मंत्रो के बीच विधि विधान से मालवीय रोड स्थित बादशाह टावर के परिसर में जन औषधि केन्द्र का उद्घाटन किया। कहा कि जन औषधि केन्द्र मरीजों के लिये वरदान है। उन्हें रियायती दरों पर जीवन रक्षक दवायें उपलब्ध हो जाती है। लोगों को इसका लाभ उठाना चाहिये। मंहगी दवाओं के स्थान पर जन औषधि केन्द्रों पर मिलने वाली दवायें भी पूरी तरह से कारगर है।

केंद्र संचालक प्रसन्न श्रीवास्तव ने उद्घाटन अवसर पर आगन्तुकों का स्वागत करते हुये बताया कि जन औषधि केन्द्र पर सभी आवश्यक दवायें उपलब्ध हैं। मरीजों को प्राथमिकता से विशेष छूट के आधार पर सेवा देना उनकी प्राथमिकता है।

इस अवसर पर रेडक्रॉस सचिव कुलविंदर सिंह, कं. कं. सिन्हा, आशीष सिन्हा, राजन यादव, यश जायसवाल, अभिषेक सिंह, राहुल कुमार, मोहित मिश्रा, अधिवक्ता सरदार दीपेंद्र सिंह, राजेन्द्र सिंह रजावत, विमल पाण्डेय, काजी फरमान, आदि उपस्थित रहे।

मोहित यादव की मां और परिजनों से मिला सपा का प्रतिनिधि मण्डल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। छात्र मोहित यादव के अपहरण और हत्या मामले में मंगलवार को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी के एक प्रतिनिधि मण्डल ने सपा जिलाध्यक्ष महेन्द्रनाथ यादव, पूर्व मंत्री एवं विधायक राम मूर्ति वर्मा, विधायक सैय्यदा खातून सहित 8 सदस्यों के साथ लालगंज थाना क्षेत्र के सुकरौली गांव पहुंचे और मोहित यादव की मां और परिजनों से मिलकर भरोसा दिलाया कि पार्टी इस मामले में हर स्तर पर सहयोग कर न्याय दिलायेगी।

सुकरौली गांव से लौटने के बाद सपा प्रतिनिधि मण्डल ने सर्किट हाउस में पत्रकारों से वार्ता किया। पूर्व मंत्री एवं विधायक राम मूर्ति वर्मा कहा कि शासन प्रशासन की भूमिका मोहित यादव हत्याकाण्ड को लेकर संदिग्ध है, अभी तक सम्बंधित थाने के जिम्मेदार लोगों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होने आशंका व्यक्त किया कि मामले में लीपापोती की जा रही है। कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति दयनीय है और हत्या जैसे दुर्भाग्यपूर्ण मामले में भी पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की जगह राजनीतिक दबाव में कुचक्र किया जा रहा है। सपा इसे बर्दाश्त नहीं करेगी। सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव और डा. विधायक संग्राम यादव ने पत्रकारों को बताया कि प्रतिनिधि मण्डल अपनी रिपोर्ट राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को सौंपेगा। मोहित यादव का परिवार बहुत गरीब है, इस परिवार को आर्थिक सहायता दिलाने के साथ ही सपा कानूनी हर स्तर पर हर संकट में परिवार के साथ है।

–न्याय मिलने तक जारी रहेगा सपा का संघर्ष, सपा मुखिया अखिलेश यादव को सौपी जायेगी रिपोर्ट–राम मूर्ति वर्मा

ज्ञात रहे कि लालगंज थाना क्षेत्र के सुकरौली निवासी मोहित यादव पुत्र स्वर्गीय मुकेश यादव पिकौरादत्तूराय मोहल्ले में अविनाश के मकान में किराए पर रहकर पढ़ाई करता था। अविनाश ने तहरीर दिया कि दो बाइक पर सवार पांच लोगों ने उनके मकान से बुलाकर मोहित यादव का अपहरण कर लिया। पुलिस ने बाद में जानकारी दिया कि मोहित यादव की हत्या कर उसकी लाश को नदी में फेंक दिया है। पुलिस अभी तक शव बरामद करने में भी विफल रही है। मोहित यादव के अपहरण के विरोध में समाजवादी पार्टी ने दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग को लेकर चार दिनों तक धरना दिया। सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने पत्रकारों को बताया कि अपहरण के बाद ही यदि पुलिस सक्रिय हुई होती तो मोहित यादव को बचाया जा सकता था। अब राजनीतिक दबाव में केस को कमजोर करने का षड़यंत्र किया जा रहा है किन्तु सपा इसे बर्दाश्त नही करेगी। मोहित यादव के परिवार को पूरा न्याय दिलाया जायेगा।

सपा के प्रतिनिधि मण्डल में सपा विधायक त्रिभुवनदत्त, डा. संग्राम यादव, राजेन्द्र चौधरी, कविन्द्र चौधरी, जावेद पिण्डारी, विजय विक्रम आर्य, मो0 स्वालेह शामिल रहे।

विकसित भारत के सपने को साकार करने वाला बजट –अजय सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए बजट को लेकर हरैया विधायक अजय सिंह ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है। विधायक ने कहा कि यह बजट निश्चित रूप से विकसित भारत के सपने को साकार करने वाला बजट है। बजट में नौकरीपेशा, युवाओं, किसानों, महिलाओं, आम आदमी साहित सभी तबकों के समग्र विकास पर फोकस किया गया है। कर के मामले में सरकार ने बड़ी राहत दी है स्टैंडर्ड डिडक्शन को 50000 से बढ़ाकर 75000 और नई कर व्यवस्था में 3 लाख तक की आय करमुक्त करने का निर्णय काबिले तारीफ है। मुद्रा ऋण की सीमा 20 लाख करने और 30 लाख युवाओं के कौशल विकास के लिए दो लाख करोड़ के पैकेज का निर्णय ऐतिहासिक है। किसानों के लिए बजट में कृषि के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, कृषि में तकनीक को बढ़ावा देने और प्राकृतिक खेती की ओर किसानों का रूझान बढ़ाने पर फोकस है।

भारत से लन्दन तक साईकिल यात्रा पर निकली पर्वतारोही निशा कुमारी का बस्ती में हुआ स्वागत

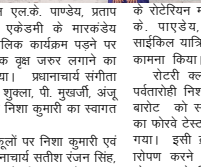

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारत से लन्दन तक साईकिल यात्रा पर निकली पर्वतारोही निशा कुमारी और कोच निलेश बारोट के बस्ती पहुंचने पर मंगलवार को रोटरी क्लब बस्ती सेंट्रल और सेवा ब्लड बैंक द्वारा उनका स्वागत कर उत्साहवर्धन किया गया। साईकिल यात्रा का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के खतरों के प्रति लोगों को जागरूक करना है।

रोटरी क्लब बस्ती सेंट्रल द्वारा औद्योगिक विकास इंटर कॉलेज बिहरा बाजार में जलवायु परिवर्तन और वृक्षारोपण के बारे में निशा कुमारी ने अपने विचार छात्रों के साथ साझा किया और कहा कि उनके द्वारा एवरेस्ट चोटी पर भारतीय तिरंगा फहराया गया। निशा कुमारी ने बच्चों से कहा कि अपने लक्ष्य को पाने के लिए कड़ी मेहनत की जरूरत है क्लाइमेट चेंज के कारण बाढ़ सूखा बे मौसम ठंडक बरसात हो रहे हैं ऐसे में हर व्यक्ति को वृक्षारोपण करके इस मुश्किल से निजात मिल सकता है बच्चों के द्वारा पर्वतारोही निशा कुमारी ने संवाद बनाकर रोचक जानकारी दिया।

रोटेरियन एल.के. पाण्डेय, प्रताप एजुकेशनल एकेडमी के मारकंडेय सिंह ने मांगलिक कार्यक्रम पड़ने पर उसे दिन एक वृक्ष जरुर लगाने का आवाहन किया। प्रधानाचार्य संगीता सिंह, योगेश शुक्ला, पी. मुखर्जी, अंजू वर्मा आदि ने निशा कुमारी का स्वागत किया।

दोनों स्कूलों पर निशा कुमारी एवं बच्चों ने प्रधानाचार्य सतीश रंजन सिंह, संगीता सिंह, रोटरी क्लब के अध्यक्ष वामिक मिराज, एल.के. पाण्डेय, मुनीरउद्दीन अहमद, श्याम धर सोनी, हरिश्चंद्र सिंह ,रोटेरियन चंद्र भूषण सिंह, मनीष कुमार सिंह द्वारा दोनों स्कूलों पर पौधरोपण कर पर्यावरण रक्षा का संदेश दिया गया। कार्यक्रम संयोजक सेवा ब्लड केन्द्र के रोटेरियन मनीष कुमार सिंह, एल.के. पाण्डेय, वामिक मिराज ने साईकिल यात्रियों के सुखद यात्रा की कामना किया।

रोटरी क्लब बस्ती सेंट्रल द्वारा पर्वतारोही निशा कुमारी कोच निलेश बारोट को स्मृति चिन्ह तथा रोटरी का फोरवे टेस्ट देकर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में दुबखरा में पौधरोपण करने के पश्चात यह यात्रा गोरखपुर के लिए रवाना हुई। भारत से लन्दन तक की साईकिल यात्रा यात्रा 23 जून को बड़ोदरा से शुरू होकर बस्ती पहुंची , 23 जुलाई को यात्रा बस्ती से आगे निकली यह यात्रा 15000 किलोमीटर नेपाल, तिब्बत, चीन, मास्को व अन्य देशों से होते हुए 12 अक्टूबर को लंदन पहुंचेगी।

फार्मासिस्टों ने किया फर्जी लोगों द्वारा मेडिकल स्टोरों के जांच के नाम पर उत्पीड़न बंद करने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अनधिकृत, फर्जी व्यक्तियों द्वारा मेडिकल स्टोरों पर छापामारी और फार्मासिस्टों से धन उगाही को लेकर रोष व्याप्त है। अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन जिला अध्यक्ष प्रमेन्द्र कुमार के नेतृत्व में फार्मासिस्टों के प्रतिनिधिमंडल ने औषधि निरीक्षक अरविन्द कुमार से मिलकर स्थितियों की जानकारी दी। प्रतिनिधि मण्डल ने उन्हें अनधिकृत व फर्जी व्यक्तियों द्वारा मेडिकल स्टोर्स पर छापामारी करके फार्मासिस्टों का शोषण व धनउगाही जैसी घटनाओं से अवगत कराया। इस पर औषधि निरीक्षक ने लाइसेंसधारी पंजीकृत फार्मासिस्टों द्वारा संचालित मेडिकल स्टोर संचालकों से निर्भीक होकर नियमानुसार कार्य करने को कहा।

इसी क्रम में संगठन के पदाधिकारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी आर. एस. दुबे से मिलने पहुंचे और मुलाकात न होने पर उन्हें फोन पर वार्ता करके अवैध लोगों द्वारा मेडिकल स्टोर पर फर्जी छापामारी तथा धन उगाही की बात से अवगत कराया। इस पर मुख्य चिकित्साधिकारी ने आश्वासन दिया कि ऐसे अनाधिकृत तथा फर्जी लोगों पर कार्यवाही कराया जायेगा।

प्रतिनिधि मण्डल में फार्मासिस्ट कृष्ण मोहन यादव, गिरिजेश सेन, फारूक अब्दुल्ला, धर्मनाथ, संतोष चौधरी, मधुर प्रकाश, पवन रौनियार, अनूप चौरसिया, सलमान अहमद, अखिलेश गुप्ता, अब्दुल रशीद, सूरज चौहान आदि शामिल रहे।

कवि सम्मेलन–एक बार और जाल फेंक रे मछेरे, जाने किस मछली में बंधन की चाह हो

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती जनपद के गीतकार माहेश्वर तिवारी की जयंती पर शहर के अटल बिहारी बाजपेई प्रेक्षागृह में कमला शिक्षण संस्थान द्वारा आयोजित कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह में कवियों ने अपने – अपने रंग के गीत सुनाए।

वरिष्ठ कवि डा.शिव ओम अम्बर के संचालन में लखनऊ से आए गीतकार डा.सुरेश ने ' इस नगर हैं उस नगर हैं, पाँव में बाँधे सफर हैं हैं थके हारे – नींद के मारे,हम तो ठहरे यार बंजारे ' सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कानपुर के गीतकार विनोद श्रीवास्तव ने एक खामोशी हमारे बीच है, तुम कहो तो तोड़ दूं पल में सुनाकर गीत– गंगा में डुबकी लगवाई। चित्तौड़गढ़ से पधारे गीतकार रमेश शर्मा ने 'कभी मेरा सावन देखना,सब अभी से बदल गया मां' जैसे गीतों से मंचासीन कवियों और सभागार में बैठे लोगों को भावुक कर दिया। बदायूं की कवयित्री डा.सोनरूपा विशाल ने 'प्यार में डूबना ही पड़ता है, प्यार में आचमन नहीं होता' सुनाकर सभी को रोमांचित कर दिया। लखनऊ के कवि धीरज मिश्र शांडिल्य ने सावन के आगमन पर कई छंद सुनाए और वृक्ष क्षमायाचना गीत से सभी को भावुक किया।

जनपद के वरिष्ठ साहित्यकार डा.राम नरेश सिंह मंजुल ने माहेश्वर तिवारी से जुड़े कई संस्मरण सुनाए।

वाचिक परंपरा के श्रेष्ठ हिंदी कवि गीतकार डा. बुद्धिनाथ मिश्र को प्रतीक चिह्न एवं पुरस्कार राशि देकर माहेश्वर तिवारी सम्मान –2024 से सम्मानित किया गया। उसके बाद उन्होंने एक बार 'और जाल फेंक रे मछेरे' जाने किस मछली में बंधन की चाह हो, सुनाकर सभी का मन जीत लिया। अयोध्या के संत आचार्य मिथिलेश नंदिनी शरण की अध्यक्षता में हुए इस आयोजन में स्मृतिशेष गीतकार की गजल– संग्रह 'धूप पर कुहरा बुना है' का लोकार्पण भी इसी मंच पर हुआ जिसमें संस्था के सचिव संतोष सिंह, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य राहुल गुप्ता, माहेश्वर तिवारी की सुपौत्री अक्षरा माहेश्वर आदि उपस्थित रहे। आचार्य ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कविता की परिभाषा बताते हुए गीत– तत्व के विषय में कई रोचक बातें साझा की।

कार्यक्रम के संयोजक जनपद के युवा कवि रामायण धर द्विवेदी ने सभी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि हर वर्ष 22 जुलाई को जयंती समारोह आयोजित होगा जिसमें एक वरिष्ठ गीतकार एवं एक युवा गीतकार को पुरस्कृत किया जाएगा।

कार्यक्रम के अंतिम सोपान में जनपद के गणमान्य लोगों में नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा , पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा, महेश शुक्ला, प्रधानाचार्य डा.सर्वेष्ट मिश्र, संजय मिश्र समाजसेवी, भावेश पाण्डेय, रवींद्र सिंह , डा.पारस वैद्य, अंगद पांडेय, अजय विश्वकर्मा, मुकेश चंद्र पाण्डेय , रंकस कुमार आदि को सम्मानित किया गया। शहर के रचनाकार वीरेन्द्र त्रिपाठी, लोकेश त्रिपाठी,विनोद उपाध्याय, समीर तिवारी, बी.के वर्मा, माही यादव, मयंक तिवारी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

–गीतकार बुद्धिनाथ मिश्र को 'माहेश्वर तिवारी सम्मान'

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 24 जुलाई 2024 बुधवार

सम्पादकीय

बजट की दिशा

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपना 7वां बजट पेश किया हैं। इस बजट में वित्त मंत्री ने कई बड़े ऐलान किए लेकिन सबसे ज्यादा नजरें इस बात पर टिकी थी कि इस बार क्या सस्ता हुआ है और क्या मंहगा। इस बार बड़ी घोषणाएं करते हुए वित्त मंत्री ने मोबाइल फोन सस्ता करने की घोषणा कर दी है. वहीं कैंसर की दवा भी सस्ती कर दी गई. लिथियम आयन बैटरी सस्ती करने की घोषणा की गई है. जिसका मतलब है कि इलेक्ट्रिक व्हीकल भी सस्ते हो सकते हैं. साथ ही इम्पोर्टेड ज्वेलरी भी सस्ती करने की घोषणा की गई है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जो बजट पेश किया, उसमें रोजगार, कौशल विकास, कृषि और विनिर्माण पर फोकस करते हुए 2047 तक श्विकसित भारतश के लिए रोडमैप है. मोदी 3.0 के तहत पहला बजट एक आर्थिक दृष्टिकोण तैयार करता है जो फिस्कल प्रूडेंस को ध्यान में रख कर तैयार किया गया है. यह पीएम मोदी सरकार का 2014 के बाद से लगातार 13वां बजट है, जिसमें दो अंतरिम बजट शामिल हैं।

केंद्रीय बजट ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए अधिक आवंटन, कराधान सुधार, बुनियादी ढांचे को बढ़ावा, स्थानीय विनिर्माण, नौकरी और कौशल सृजन पर जोर और अधिक श्रम–प्रधान क्षेत्रों में प्रोडक्शन–लिंक्ड इंसेटिव (पीएलआई) आवंटन का समर्थन करने पर केंद्रित है. रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए वित्त मंत्री ने तीन योजनाओं की घोषणा की है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, 'सरकार रोजगार सृजन के लिए तीन योजनाएं शुरू करेगी. पहली बार रोजगार पाने वालों के लिए योजना, जिसमें सभी क्षेत्रों में कार्यबल में शामिल होने वाले सभी लोगों को एक महीने का वेतन दिया जाएगा. रोजगार देने वाली योजना से 2.1 करोड़ युवाओं को लाभ मिलेगा। वित्त मंत्री ने बजट पेश करते हुए कहा कि बजट का फोकस चार जातियों गरीब, महिलाएं, युवा और अन्नदाता पर हैं. इसके साथ ही वित्त बजट में 9 क्षेत्रों पर फोकस करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि मौजूदा बजट को खास प्राथमिकताओं के लिए याद रखा जाएगा. वित्त मंत्री ने कहा कि बजट में 9 क्षेत्रों पर फोकस किया गया है. बजट भाषण में वित्त मंत्री ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही है. वैश्विक अर्थव्यवस्था उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन कर रही है. वित्त मंत्री ने कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि बेहतर रही है।

वित्त मंत्री ने बजट पेश करते हुए कहा कि भारत में मुद्रास्फीति कम रही है, यह वर्तमान में 3.1 फीसदी है. महंगाई लगातार कंट्रोल में है. देश में खाने–पीने की चीजें भी पहुंच में हैं. जैसा कि अंतरिम बजट में कहा था कि गरीब, महिलाएं, युवा और अन्नदाता – हम इन चार जातियों पर फोकस करना चाहते हैं. एक महीने पहले हमने लगभग सभी मेजर फसलों पर बढ़ी हुई एमएसपी की घोषणा की है. 80 करोड़ से ज्यादा लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना चल रही है। इसके साथ ही बजट भाषण पढ़ते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि भारत इस वक्त प्रगति की राह पर बढ़ रहा है. देश में महंगाई कम और स्थिर है. वहीं मंहगाई को चार प्रतिशत से कम के स्तर पर लाने की कोशिश हो रही है. साथ ही वित्त मंत्री ने कहा कि किसानों को लागत पर कम से कम 50 प्रतिशत मार्जिन देने की कोशिश हो रही है. पीएम गरीब कल्याण को पांच साल के बढ़ाया गया है. हमारा फोकस रोजगार हुनर और युवाओं पर है।

बजट भाषण में वित्त मंत्री ने कहा कि अगले दो वर्षों में एक करोड़ किसान प्राकृतिक खेती का रुख करेंगे. मंत्री ने कहा कि उत्पादन बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर सब्जी उत्पादन संकुल को बढ़ावा दिया जाएगा. सरकार 32 कृषि एवं बागवानी फसलों के लिए 109 नए उच्च उपज वाले, जलवायु अनुकूल बीज जारी करेगी. सीतारमण ने कहा कि फरवरी में अंतरिम बजट में घोषित विभिन्न योजनाओं का कार्यान्वयन अब भी जारी है. यह बजट कितना प्रभावी होगा इसके लिये तो इन्तजार करना होगा।

प्राकृतिक खेती से सुनिश्चित होगी खाद्य सुरक्षा

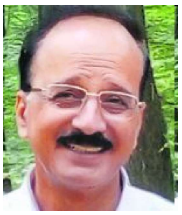

–देविंदर शर्मा–

इस सप्ताह में दो घटनाक्रम सामने आये जिनके बारे में मुझे लगता है कि हमें मूल्यांकन करने की जरूरत है। यदि हम कड़ी जोड़ सकें, तो एक वाकया उस आपदा का संकेत देता है जिसका इंतजार है, और दूसरा दुनिया जिस बड़े संकट का सामना कर रही है, उससे निपटने के लिए एक स्थायी समाधान प्रदान करता है, जिसके आने वाले वर्षों में और भी बदतर होने की संभावना है।

जबकि मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, प्रमुख गेहूं उत्पादक यूरोपीय देश फ्रांस में भारी और लगातार बारिश के कारण फसल को बड़ा नुकसान हुआ है, नीदरलैंड के एक पत्रकार ने मुझे लिखा है कि क्या मौसम में स्पष्ट परिवर्तन किसानों के लिए आर्थिक आपदा बनने जा रहा है। उसकी चिंता हॉलैंड में, जो कुछ वह देखती है, उससे पैदा होती है, जहां बारिश रुकी नहीं है, खेत पानी से लबालब हैं, परिणामस्वरूप खेतों में लगाई आलू की फसल सड़ रही है और सब्जियों के बीज उग नहीं रहे हैं।

इस बीच भारत अभूतपूर्व गर्मी की चपेट में है। जैसे–जैसे सामान्य तापमान बढ़ता जा रहा है, आशंकाएं हैं कि क्या देश आने वाले वर्षों में अपनी खाद्य सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने में सक्षम होगा? कुछ वर्ष पहले गेहूं की कटाई के दौरान गर्मी ने कहर ढहाया था। उसके एक साल बाद, मानसून के मौसम में भी लगभग एक महीने तक बारिश नहीं हुई, धान की खड़ी फसल पर असर पड़ा। यह जानते हुए कि जलवायु परिवर्तन भविष्य में खेल बिगाड़ सकता है, सरकार अति–जागरूक हो रही है, उसने कदम उठाए हैं। इनमें गेहूं और गैर–बासमती निर्यात पर प्रतिबंध लगाना और खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखना यकीनी बनाने के लिए विभिन्न कृषि वस्तुओं पर स्टॉक सीमा भी लागू करना शामिल है।

जैसा कि उच्च पत्रकार कहती हैं कि जलवायु परिवर्तन विश्वव्यापी घटना बनने जा रही है जिसके कृषि पर बेहद बड़े प्रभाव होंगे। जबकि उद्योग इसे अपनी क्लाइमेट स्मार्ट प्रौद्योगिकी बेचने के लिए उपयुक्त अवसर के रूप में देखते हैं, जिसकी वे बीते कई साल से मार्केटिंग कर रहे हैं। बड़ा सवाल यह है कि क्या दुनिया ने जलवायु के असर झेलने के विपरीत मापदंड तय कर दे तो कैसे कहा जा सकता है कि ऐसे लोग प्रगतिशील देश के निवासी हैं। मॉल में धोती पहने व्यक्ति को प्रवेश से रोकने की घटना अंग्रेजीदां संस्कृति ही दर्शाती है। इससे पहले फरवरी में भी बेंगलूरु में ही मेट्रो ट्रेन में एक व्यक्ति को मैले कपड़ों के कारण बैठने से रोक दिया गया था। यह बर्ताव इंसानियत के नाम पर कलंक है। अंग्रेजों के हम कुछ नहीं लगते थे, इसलिए वे बराबरी का कोई मौका देने की सोच रखते ही नहीं थे।

सितंबर 2021 में दिल्ली का अंसल प्लाजा और यहां का अकीला रेस्टोरेंट काफी चर्चा में आया था। इस रेस्टोरेंट का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल भी हुआ था, जिसमें एक महिला को रेस्टोरेंट में घुसने से सिर्फ इसलिए रोका जा रहा था, क्योंकि उस महिला ने साड़ी पहन रखी थी। मतलब केवल साड़ी पहन लेने से ही, उस महिला का स्टैंडर्ड डाउन हो गया और वो एक ही पल में अंदर बैठे लोगों से निचली पायदान पर आ गई। ये घटना 19 सितबंर 2021 की है। असल में पत्रकार अनिता चौधरी ने एक फेसबुक पोस्ट में आरोप लगाया था कि, "अक्वीला रेस्तरां में साड़ी में जाने की अनुमति नहीं है, क्योंकि भारतीय साड़ी स्मार्ट वियर नहीं है। स्मार्ट वियर की परिभाषा क्या है मुझे बताएं। कृपया स्मार्ट वियर की परिभाषा बताएं, ताकि मैं साड़ी पहनना बंद कर दूं।' हालांकि, रेस्तरां ने दावा किया कि घटना को गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया था।

असल में वेस्टर्न कल्चर को अपनाते–अपनाते लोग अब इतने अंधे हो चुके हैं कि उन्हें अपनी संस्कृति पर ही लज्जा आने लगी है, साथ ही इस रेस्टोरेंट के मैनेजमेंट का कहना है कि साड़ी स्मार्ट कैजुअल नहीं है, जबकि साड़ी पहनने से कोई भी महिला कमजोर नहीं हो जाती है। यूं भी महिलाएं क्या पहनेंगी और कैसे पहनेंगी? इसका निर्णय लेने का हक केवल महिलाओं को है मगर रेस्टोरेंट ऑनर की बात समझ से परे है कि साड़ी पहनने वाली महिलाएं अंदर नहीं जा सकती हैं। हालांकि, मॉर्डन होते लोगों की सोच कभी–कभी बहुत ज्यादा मॉर्डन हो जाती है, तब उन्हें अपनी संस्कृति का ज्ञान भी नहीं बचता है।

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, सुषमा स्वराज जैसी भारत की कई महिला नेताओं और राजनयिकों ने विदेशों में साड़ी पहनकर बड़े–बड़े मंचों पर भारतीय संस्कृति का मान बढ़ाया. चाहे वो अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, रूस, जापान ही क्यों न हो. हमारी बहुत सी महिला नेताओं ने विदेशों में भी साड़ी पहनी है, तो भला दिल्ली का ही रेस्टोरेंट साड़ी को स्मार्ट वियर क्यों नहीं मान सकता? कमोवेश धोती पूरे देश में पहनी जाती है। ऐसे में एक किसान द्वारा धोती बांधकर माल जाने में भला किसे परेशानी होने लगी। ये तो भारत की पहचान है। हमारी संस्कृति का अंग है। दक्षिण भारत में धोती बांधना बहुत साधारण सी बात है। वहां आपको एक दो नहीं हजारों ऐसे लोग मिल जाएंगे जो रोजमर्रा की जिंदगी में धोती ही बांधते हैं।

10 अप्रैल 2024 को बेंगलुरु में एक व्यक्ति को बेंगलुरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) के अधिकारियों ने कथित तौर पर मेट्रो ट्रेन में चढ़ने से रोक दिया क्योंकि उसकी शर्ट के बटन खुले हुए थे। डोड्डाकलासंद्रा मेट्रो स्टेशन पर बीएमआरसीएल स्टाफ ने उस व्यक्ति से स्पष्ट रूप से कहा था कि वह अपनी शर्ट के बटन बंद कर ले और साफ कपड़ों के साथ मेट्रो स्टेशन पर आए, नहीं तो उसे मेट्रो स्टेशन में एंट्री नहीं करने दी जाएगी। बेंगलुरु मेट्रो में एंट्री नहीं मिलने वाले शख्स का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से शेयर हुआ था। इस मामले में भी मेट्रो स्टाफ के भेदभाव पूर्ण तरीके की लोगों ने आलोचना की थी।

आजादी से पहले हम रेल में प्रथम श्रेणी के दर्जे में यात्रा करने के अधिकार के लिए तरसते थे। विदेशों में कई जगह हमारा प्रवेश वर्जित था। पर एक स्वतंत्र देश में एक भारतीय को महज वेशभूषा के कारण कहीं मॉल में प्रवेश तो कहीं मेट्रो रेल में बैठने से रोका जाए तो इसे क्या कहेंगे? यही ना कि सामंती मानसिकता अभी गई नहीं है। मेट्रो रेल के प्रकरण में दोषियों पर कार्रवाई हो गई। जिस मॉल में किसान को धोती पहनकर प्रवेश से रोका गया उसे भी सात दिन के लिए बंद रखने की सजा दे दी गई और उसके संचालक के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज हो गया। लेकिन उस अपमान का क्या जो किसान ने सहा है? हां, दोनों ही मामलों में संतोष की बात यह है कि समूचे देश में ऐसे बर्ताव के खिलाफ तीखी प्रतिक्रियाएं हुई हैं। लेकिन दूसरे देशों में ऐसी मनोवृत्ति के कारण भारत की जो छवि बनती है उसका क्या?

जमीनी हकीकत यह है कि भारत चाहे जितना भी मॉडर्न बन जाए, नई पीढ़ी चाहे कितनी भी तरक्की क्यों न कर ले, जमाना चाहे जितना भी एडवांस क्यों न हो जाए, लेकिन यहां की माटी की पहचान वही रहेगी जो असलियत में है। इस माटी का लोहा दुनिया ने भी माना है। क्योंकि हमारी संस्कृति, परंपरा और सहज सभ्यता धरती पर सबसे पुरानी मानी जाती है। साड़ी, धोती और अन्य देसी वेषभूषा ही भारत के असली परिधान है। फिर बेंगलुरु में इस तरह की घटना का होना क्या भारतीय संस्कृति और उसके पहनावे–ओढ़ावे पर आघात नहीं है?

मैक्सिको से लेकर एशिया में फिलीपींस तक, और अमेरिका के टेक्सास से लेकर भारत में महाराष्ट्र तक– दुनिया के विभिन्न भागों में कृषि कड़े जलवायु प्रभावों से दो–चार है। विगत में भी, कुछ भागों में अतिवृष्टि, बाढ़, भयंकर तूफानों व चक्रवातों की बढ़ती तादाद से कृषि को नुकसान पहुंचता रहा है तो विभिन्न अन्य क्षेत्रों में लंबे समय तक सूखा और भीषण अकाल जैसी स्थितियां रही हैं। कहने की जरूरत नहीं कि जलवायु प्रेरित मौसम के मिजाज का खेती पर संचयी हानिकारक प्रभाव पड़ा है। जबकि किसान जलवायु का प्रकोप सहन करता है, वहीं नीति नियंता इसको नहीं मानते या इन विनाशकारी प्रभावों को कभी–कभार की घटनाओं के रूप में लेते हैं। यह ऐसा लगता है, जैसे दीर्घकाल तक चिंता करने की कोई बात ही नहीं हो।

जबकि सतत कृषि के बारे में बातें की जाती रही, कृषि–पारिस्थितिकीय खेती प्रणालियों पर पिछले कुछ सालों में ध्यान गया है। यहां लगता है कि आंध्र प्रदेश में प्रोत्साहित की गयी समुदाय प्रबंधित प्राकृतिक खेती प्रणालियां विश्व में कृषि–पारिस्थितिकी की सबसे बड़ी प्रयोगशाला के रूप में सामने आयी है और परिणामस्वरूप सामने मौजूद बेहद हानिकारक जलवायु संकट का स्थाई समाधान प्रदान करती है। ऐसा भी महसूस होता है कि जलवायु संकट का यह जो कृषि–पारिस्थितिकीय समाधान प्रदान करती है वह उम्मीद और संकल्पों से भरपूर है। यह सही वक्त है कि क्षेत्र–विशेष की अनुकूलताओं को ध्यान में रखकर, आंध्र प्रदेश का यह मॉडल पूरे देश में लागू किया जाये। जैसा कि यह लेखक प्रायरू कहते हैं कि जो 8 लाख किसान पूरी तरह से रासायनिक कृषि से प्राकृतिक कृषि पद्धतियों की ओर रुख कर चुके हैं या करने की प्रक्रिया में हैं, वे कड़ी चुनौतियों से दो–चार होते हैं, जिन्हें प्रति वर्ष आने वाली खरीफ और रबी सीजन की रिपोर्टों में उजागर किया जा चुका है।

जब हरित क्रांति आयी, तो सघन कृषि पद्धतियों को अंजाम देने के लिए एक सुनियोजित और तय इको सिस्टम था। इसमें विश्वविद्यालयों, विशेष रिसर्च संस्थानों, कृषि विस्तार नेटवर्क, और कृषि ऋण तंत्र की स्थापना करने के साथ ही यथोचित विपणन अवसर पैदा करना शामिल था। जब भी जरूरी हुआ तो सब्सिडी व निवेश का प्रवाह भी रहा। इससे भी ज्यादा मदद के रूप में, बीज विकास संरचना का सृजन और उर्वरक संयंत्र और कीटनाशक कारखानों की स्थापना करना शामिल रहा।

प्राकृतिक कृषि के मामले में, हरित क्रांति को मदद देने के लिए जो विशाल सहायक प्रणाली निर्धारित की गई थी, उसका एक अंश भी प्रदान नहीं किया गया है। हालांकि जलवायु मसले के समाधान करने को लेकर प्राकृतिक खेती ने अपनी भूमिका और क्षमता स्पष्ट तौर पर दर्शायी है। आने वाले समय के मुताबिक इसे इसकी उचित मान्यता दी जानी बाकी है। इसी प्रकार, दूसरे उन विभिन्न एग्रो–इकोलोजिकल दृष्टिकोणों को भी यथोचित मान्यता प्रदान की जानी जरूरी है जिनका प्रदर्शन देश के अलग–अलग इलाकों में प्रगतिशील किसान कर रहे हैं। सामूहिक तौर पर, माना जा सकता है कि अब वक्त आ गया है कि नीतिगत आयोजन में नॉन–कैमिकल दृष्टिकोणों को सर्वाधिक प्राथमिकता प्रदान की जाये।

पहली और सबसे महत्वपूर्ण कोशिश नौकरशाहों, न्यायाधीशों और कुलपतियों के लिए समय–समय पर ओरिएंटेशन आयोजित करने को एक तंत्र विकसित करने की होनी चाहिए। समाधान इसी में निहित है। इस मामले में महत्वपूर्ण उन लोगों की सोच को बदलना इतना आसान नहीं है जो उस माहौल में बड़े हुए हैं जहां कृषि रासायनिक साधनों के प्रयोग पर आधारित है। नये ढंग की कृषि की ओर उनका रुझान करने लिए जरूरत है एक निरंतर शैक्षिक जागरूकता कार्यक्रम की जो छोटी अवधि के कोर्सेज में विभाजित हो, जो खेती को भविष्य के लिये तैयार करे।

संक्षेप में, सघन खेती पद्धतियों के बजाय कृषिद्पारिस्थितिकीय दृष्टिकोण की ओर रुख करने से ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में कृषि द्वारा निभाई जा रही भूमिका कम हो जायेगी, जो जलवायु विघटन की दिशा में ले जायेगी। साथ ही इससे कृषि पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को न्यूनतम करने के लिए शामक रणनीतियां बनायी जा सकेंगी। इसके साथ ही, तीसरा लाभ है यह लोगों के लिए स्वस्थ भोजन मुहैया कराएगी।

–लेखक कृषि एवं खाद्य विशेषज्ञ हैं।

कब खत्म होगी भेदभाव की मानसिकता

–राजेश माहेश्वरी–

कर्नाटक सरकार ने बेंगलुरू के उस मॉल को सात दिन के लिए बंद करा दिया है, जिसने एक किसान को धोती और एक सफेद कमीज पहने होने की वजह से कथित रूप से प्रवेश की अनुमति नहीं दी थी। किसान को मॉल में कथित रूप से प्रवेश नहीं देने की घटना की विधानसभा में सभी पार्टी के सदस्यों ने कड़ी निंदा की है। असल में, 70 वर्षीय फकीरप्पा अपनी पत्नी और बेटे के साथ मल्टीप्लेक्स में फिल्म देखने के लिए मॉल गए थे। फकीरप्पा ने कथित तौर पर सफेद कमीज और 'पंचे' (धोती) पहन रखी थी। मॉल के सुरक्षा कर्मचारी ने कथित तौर पर उन्हें और उनके बेटे से कहा कि उन्हें 'पंचे' पहनकर अंदर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। कर्मचारी से उनसे कहा कि वह "पतलून पहनकर आएं।" सरकार ने किसान के कथित अपमान को "गरिमा और स्वाभिमान" पर आघात बताया और कहा कि इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

हमारा संविधान सबको बराबरी का हक देता है। लिंग, जाति, समुदाय, धर्म हो या शिक्षा या फिर पहनावा। किसी भी आधार पर संविधान भेदभाव रखने की अनुमति नहीं देता। यह बात सच है कि संविधान प्रदत्त इस अधिकार ने आम भारतीय को व्यापक ताकत दी है। लेकिन बेंगलुरु के मॉल में एक किसान को धोती पहनकर प्रवेश करने से रोकने की घटना से लगता है कि आज भी ऊंच–नीच का भेद रखने वालों की कमी नहीं है। चिंता की बात यही है कि संविधान की अवमानना करते हुए भेदभाव के ऐसे–ऐसे पैमाने तय कर दिए जाते हैं कि कभी–कभी लगता है कि क्या ऐसा बर्ताव झेलने के लिए ही हमें आजादी हासिल हुई थी।

कहीं भी व्यक्ति से व्यक्ति का भेद होने लगे, ऊंच–नीच का बर्ताव होने लगे और कोई भी खुद को सबसे ऊपर मानते हुए संविधान की भावनाओं के विपरीत मापदंड तय कर दे तो कैसे कहा जा सकता है कि ऐसे लोग प्रगतिशील देश के निवासी हैं। मॉल में धोती पहने व्यक्ति को प्रवेश से रोकने की घटना अंग्रेजीदां संस्कृति ही दर्शाती है। इससे पहले फरवरी में भी बेंगलूरु में ही मेट्रो ट्रेन में एक व्यक्ति को मैले कपड़ों के कारण बैठने से रोक दिया गया था। यह बर्ताव इंसानियत के नाम पर कलंक है। अंग्रेजों के हम कुछ नहीं लगते थे, इसलिए वे बराबरी का कोई मौका देने की सोच रखते ही नहीं थे।

सितंबर 2021 में दिल्ली का अंसल प्लाजा और यहां का अकीला रेस्टोरेंट काफी चर्चा में आया था। इस रेस्टोरेंट का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल भी हुआ था, जिसमें एक महिला को रेस्टोरेंट में घुसने से सिर्फ इसलिए रोका जा रहा था, क्योंकि उस महिला ने साड़ी पहन रखी थी। मतलब केवल साड़ी पहन लेने से ही, उस महिला का स्टैंडर्ड डाउन हो गया और वो एक ही पल में अंदर बैठे लोगों से निचली पायदान पर आ गई। ये घटना 19 सितबंर 2021 की है। असल में पत्रकार अनिता चौधरी ने एक फेसबुक पोस्ट में आरोप लगाया था कि, "अक्वीला रेस्तरां में साड़ी में जाने की अनुमति नहीं है, क्योंकि भारतीय साड़ी स्मार्ट वियर नहीं है। स्मार्ट वियर की परिभाषा क्या है मुझे बताएं। कृपया स्मार्ट वियर की परिभाषा बताएं, ताकि मैं साड़ी पहनना बंद कर दूं।' हालांकि, रेस्तरां ने दावा किया कि घटना को गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया था।

असल में वेस्टर्न कल्चर को अपनाते–अपनाते लोग अब इतने अंधे हो चुके हैं कि उन्हें अपनी संस्कृति पर ही लज्जा आने लगी है, साथ ही इस रेस्टोरेंट के मैनेजमेंट का कहना है कि साड़ी स्मार्ट कैजुअल नहीं है, जबकि साड़ी पहनने से कोई भी महिला कमजोर नहीं हो जाती है। यूं भी महिलाएं क्या पहनेंगी और कैसे पहनेंगी? इसका निर्णय लेने का हक केवल महिलाओं को है मगर रेस्टोरेंट ऑनर की बात समझ से परे है कि साड़ी पहनने वाली महिलाएं अंदर नहीं जा सकती हैं। हालांकि, मॉर्डन होते लोगों की सोच कभी–कभी बहुत ज्यादा मॉर्डन हो जाती है, तब उन्हें अपनी संस्कृति का ज्ञान भी नहीं बचता है।

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, सुषमा स्वराज जैसी भारत की कई महिला नेताओं और राजनयिकों ने विदेशों में साड़ी पहनकर बड़े–बड़े मंचों पर भारतीय संस्कृति का मान बढ़ाया. चाहे वो अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, रूस, जापान ही क्यों न हो. हमारी बहुत सी महिला नेताओं ने विदेशों में भी साड़ी पहनी है, तो भला दिल्ली का ही रेस्टोरेंट साड़ी को स्मार्ट वियर क्यों नहीं मान सकता? कमोवेश धोती पूरे देश में पहनी जाती है। ऐसे में एक किसान द्वारा धोती बांधकर माल जाने में भला किसे परेशानी होने लगी। ये तो भारत की पहचान है। हमारी संस्कृति का अंग है। दक्षिण भारत में धोती बांधना बहुत साधारण सी बात है। वहां आपको एक दो नहीं हजारों ऐसे लोग मिल जाएंगे जो रोजमर्रा की जिंदगी में धोती ही बांधते हैं।

10 अप्रैल 2024 को बेंगलुरु में एक व्यक्ति को बेंगलुरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) के अधिकारियों ने कथित तौर पर मेट्रो ट्रेन में चढ़ने से रोक दिया क्योंकि उसकी शर्ट के बटन खुले हुए थे। डोड्डाकलासंद्रा मेट्रो स्टेशन पर बीएमआरसीएल स्टाफ ने उस व्यक्ति से स्पष्ट रूप से कहा था कि वह अपनी शर्ट के बटन बंद कर ले और साफ कपड़ों के साथ मेट्रो स्टेशन पर आए, नहीं तो उसे मेट्रो स्टेशन में एंट्री नहीं करने दी जाएगी। बेंगलुरु मेट्रो में एंट्री नहीं मिलने वाले शख्स का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से शेयर हुआ था। इस मामले में भी मेट्रो स्टाफ के भेदभाव पूर्ण तरीके की लोगों ने आलोचना की थी।

आजादी से पहले हम रेल में प्रथम श्रेणी के दर्जे में यात्रा करने के अधिकार के लिए तरसते थे। विदेशों में कई जगह हमारा प्रवेश वर्जित था। पर एक स्वतंत्र देश में एक भारतीय को महज वेशभूषा के कारण कहीं मॉल में प्रवेश तो कहीं मेट्रो रेल में बैठने से रोका जाए तो इसे क्या कहेंगे? यही ना कि सामंती मानसिकता अभी गई नहीं है। मेट्रो रेल के प्रकरण में दोषियों पर कार्रवाई हो गई। जिस मॉल में किसान को धोती पहनकर प्रवेश से रोका गया उसे भी सात दिन के लिए बंद रखने की सजा दे दी गई और उसके संचालक के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज हो गया। लेकिन उस अपमान का क्या जो किसान ने सहा है? हां, दोनों ही मामलों में संतोष की बात यह है कि समूचे देश में ऐसे बर्ताव के खिलाफ तीखी प्रतिक्रियाएं हुई हैं। लेकिन दूसरे देशों में ऐसी मनोवृत्ति के कारण भारत की जो छवि बनती है उसका क्या?

जमीनी हकीकत यह है कि भारत चाहे जितना भी मॉडर्न बन जाए, नई पीढ़ी चाहे कितनी भी तरक्की क्यों न कर ले, जमाना चाहे जितना भी एडवांस क्यों न हो जाए, लेकिन यहां की माटी की पहचान वही रहेगी जो असलियत में है। इस माटी का लोहा दुनिया ने भी माना है। क्योंकि हमारी संस्कृति, परंपरा और सहज सभ्यता धरती पर सबसे पुरानी मानी जाती है। साड़ी, धोती और अन्य देसी वेषभूषा ही भारत के असली परिधान है। फिर बेंगलुरु में इस तरह की घटना का होना क्या भारतीय संस्कृति और उसके पहनावे–ओढ़ावे पर आघात नहीं है?

विश्वास, सदभावना के संवाहक प्रेम जी

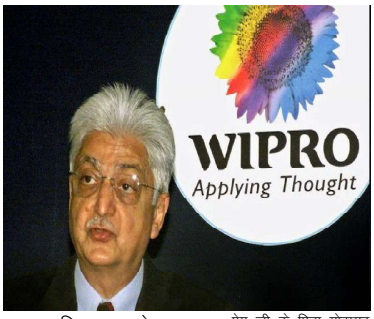

–डा. विजय पाण्डेय–

देश के हर क्षेत्र में कभी–कभी कुछ ऐसे लोग जन्म लेते हैं जिनकी कार्यशैली और उदार व्यक्तित्व के कारण समाज के लोगों को शिक्षा, पर्यावरण जैसे अनेक क्षेत्रों में बड़ा सहारा मिलता है 24 जुलाई 1945 के दिन अजीम हाशिम प्रेमजी का जन्म हुआ,श्री प्रेमजी बड़े होकर व्यवसाय जगत में सादगी से रहकर सफलता का परचम लहराने वाले समाजसेवी राष्ट्रीय चिंतक आदरणीय अजीम हाशिम प्रेमजी के विषय में सैकड़ो प्रेरणादाई कहानी पढ़ने को मिलती है ।

वर्तमान समय में अजीम हाशिम प्रेम जी ने निरंतर अनेक शिक्षण संस्था जिनमें अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय बंगलौर, अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय भोपाल संचालित है तथा झारखंड में 150 एकड़ जमीन में अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय का कार्य प्रक्रिया में है ।

अजीम हाशिम प्रेमजी देश देश के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की सूची में आपका नाम शामिल है अजीम प्रेमजी कुशल व्यवसायी उदार समाजसेवी और लोक कल्याण की भावना रखने वाले देश के अद्भुत व्यक्तित्व के धनी व्यक्ति है अजीम प्रेम जी की कार्यशैली से प्रभावित होकर सरकार द्वारा 2005 में पद्म विभूषण अवार्ड से सम्मानित किया जा चुके हैं पुनः 2011 में भारत सरकार द्वारा पद्म विभूषण का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रदान किया गया ।

प्रेम जी के पिता मोहम्मद हाशिम प्रेमजी एक नामी चावल कारोबारी थे ईश्वरीय संयोग कहें की प्रेम जी का जन्म 24 जुलाई 1945 को होता है और 29 दिसंबर 1945 को वेस्टर्न इंडिया वेजिटेबल प्राइवेट लिमिटेड की स्थापना इसी साल होती है । प्रेमजी संपन्न घराने से होने के चलते मुंबई सहित विदेश में भले ही शिक्षा ग्रहण किये थे किंतु सादगी उनका सदैव आभूषण रहा है । विदेश में अभी शिक्षा ग्रहण कर रहे थे कि 1966 में पिता के निधन पर स्वदेश लौटना पड़ा और अपनी बहुत बड़ी कंपनी को संभालना पड़ा एक शेयर होल्डर ने विरोध भी किया था लेकिन उनका हौसला और कार्य शैली ने कंपनी को देश की प्रतिष्ठित कंपनी में स्थापित किया शिक्षा के क्षेत्र में भी प्रेम जी ने अपनी आय का अधिकांश भाग देश के कई प्रदेशों के जिलों में कहीं यूनिवर्सिटी कहीं कॉलेज खोलकर देश के युवाओं के लिए अच्छी शिक्षा की व्यवस्था में अहम भूमिका रही है । प्रेम जी का विवाह मोहतरमा यास्मीन से हुआ और उनके दो बेटे रिशाद प्रेमजी और तारिक प्रेम जी है । अजीम प्रेमजी के जन्म दिवस पर ईश्वर शुभकामना है कि सदैव स्वस्थ रहें और दीघार्यु रहे तथा अपने व्यवसाय के अतिरिक्त समाज के लिए निरंतर कार्य करते रहे ।

लेखक – प्रोफेसर विजय स्ट्रीट बाजपुर गुरुद्वारा नैनीताल रोड
गृह जनपद पोखरा बाजार (वन कटिया) बस्ती

पुलिस और हत्यारोपी बदमाश के बीच मुठभेड़, पैर में लगी गोली अस्पताल में भर्ती

संवाददाता–गोण्डा। नगर के राजा टोला गांव में पांच दिन पहले सपा नेता ओमप्रकाश सिंह की हत्या में नामजद सरगना की गिरफ्तारी न होने से पुलिस की कार्रवाई सवालों के घेरे में है। हालांकि, पुलिस ने मंगलवार को एक आरोपी रोहित सिंह को मुठभेड़ के दौरान दबोचा है। इस दौरान जवाबी कार्रवाई में आरोपी के बाएं पैर में गोली लगी है। उसे सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल भर्ती कराया गया है। वहीं, पुलिस ने घटना के मुख्य आरोपी भाजपा सभासद के घर की बाउंड्रीवाल का कुछ हिस्सा ट्रैक्टर से ढहा दिया है। उधर, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर प्रदेश स्तरीय प्रतिनिधि मंडल मंगलवार को पीड़ित परिजनों से मिला। साथ ही पांच लाख रुपए अर्थिक मदद दी।

एसपी विनीत जायसवाल ने बताया कि सोमवार रात परसपुर थाने की टीम ने मुखबिर खास की सूचना पर आरोपी रोहित सिंह उर्फ बाबा की गिरफ्तारी के लिए भौरीगंज रोड के पास घेराबन्दी की गयी थी। इस दौरान आरोपी रोहित पुलिस पार्टी पर फायर करने लगा। पुलिस टीम की जवाबी कार्रवाई में आरोपी रोहित सिंह उर्फ बाबा के बाएं पैर पर गोली लगी जिससे वह घायल होकर गिर गया। उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा, बिना नम्बर प्लेट की बाइक बरामद की है। एसपी ने बताया कि पूछताछ के दौरान पता चला कि आरोपी उदयभान सिंह उर्फ लल्लन व मृतक ओमप्रकाश वर्ष 2023 में सभासद का चुनाव लड़ थे। चुनाव के बाद दोनों पक्षों में मारपीट हुई थी। चुनावी रंजिश के चलते भाजपा सभासद उदयभान सिंह उर्फ लल्लन सिंह ने अपने बेटों व रोहित सिंह उर्फ बाबा के साथ मिलकर इस घटना को अंजाम दिया है।

जिले में परसपुर थानाक्षेत्र के राजाटोला गांव में 19 जुलाई को हथियारदार हथियार से लैस पांच हमलावरों ने चुनावी में सोते समय सपा नेता ओमप्रकाश सिंह की दिनदहाड़े हत्या कर दी थी। सनखनीखेज हत्याकांड के बाद सनसनी फैल गई थी। मृतक की पत्नी नीलम सिंह के तहरीर पर थाने में चार नामजद समेत एक अज्ञात के खिलाफ हत्या सहित गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया था। घटना के पांच दिन बाद पुलिस ने एक नामजद सहित दो आरोपियों को ही गिरफ्तार कर सकी है। नामजद मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी न होने से परिजनों व गांव के लोगों में जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है। पत्नी व बेटियों ने मौत के बदले हत्या आरोपियों को फांसी दिलाने, घर पर बुलडोजर चलवाने व मामले की सीबीआई से जांच कराने की मांग सीएम योगी आदित्यनाथ से की है।

शीरे से भरा टैंकर बेकाबू होकर पलटा, बाइक सहित दबे अधेड़ की मौत

संवाददाता–गोण्डा। थानाक्षेत्र के कटरा–किशुनदासपुर रोड पर शाहपुर गांव के निकट मंगलवार सुबह शीरे से भरा टैंकर बेकाबू होकर बाइक सवार पर पलट गया। दुर्घटना में बाइक सवार अधेड़ की मौके पर ही मौत हो गई। टैंकर के नीचे दबकर बाइक भी पूरी तरह चिपट गई। मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों और पुलिस ने शव और बाइक को टैंकर के नीचे से क्रेन और जेसीबी मे मदद से बाहर निकलवाया। हादसे मे टैंकर चालक भी गम्भीर रूप से घायल हो गया। मृतक के भाई के तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए शव को पीएम के लिए मर्चरी भेज दिया। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। साथ ही सड़क पर जाम लग रहा।

हादसे में मौत के शिकार बने शाहपुर गांव के असगर अली (50) पुत्र स्व नईम उल्ला सुबह करीब नौ बजे बाइक से कोल्हमपुर बाजार से अपने घर लौट रहे थे । दुर्घटना में टैंकर चालक भी गम्भीर रूप से घायल हो गया। उसे बेहोशी की हालत में इलाज के लिए नवाबगंज सीएचसी लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद डाक्टरों ने उसे अयोध्या मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। डाक्टरों के बहुत कोशिश करने पर चालक ने बुदबुदाते हुए अपना नाम रमेश द्विवेदी बताया। टैंकर मे शीरा भरे होने की सूचना पर आबकारी विभाग की टीम भी मौके पर पहुंच कर मौके पर गिरे शीरे का अवलोकन किया। रोड पर शीरा बह जाने से पुलिस ने अग्निशमन वाहन को बुलाकर सड़क की पानी से धुलाई करने के बाद यातायात को सामान्य करवाया। प्रभारी निरीक्षक निर्भय नारायन सिंह ने बताया की मृतक के भाई मोहम्मद जमील की तहरीर के आधार पर टैंकर चालक और मालिक के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

हादसे की सूचना से परिजनों को लगा गहरा सदमारू घर से बाइक की सर्विस कराने कोल्हमपुर बाजार के लिए निकले असगर अली की मौत की सूचना पाते ही परिजनो में कोहराम मच गया। परिजन रोते चीखते हुए घटनास्थल की तरफ दौड़ पड़े। चार बेटे और तीन बेटियों के पिता असगर की मौत से पूरा परिवार को गहरा सदमा लगा है। पत्नी तरीब्बुन निशा रो रोकर बेहोश हो जा रही है, बच्चे भी रो–रोकर बेहाल हैं।

सयुस की बैठक में बजट की निंदा

संवाददाता–देवरिया। समाजवादी युवजन सभा के कार्यकर्ताओं की बैठक दीवानी कचहरी रोड स्थित सपा के जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष रणधीर यादव की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान सपा नेताओं ने बजट को झूठ का पुलिंदा बताया। रणधीर यादव ने कहा की भाजपा सरकार द्वारा पेश किया गया ग्यारहवा बजट अमीर को और अमीर एवं गरीब को और गरीब बनाने वाला बजट है। बैठक में सूरज कुशवाहा, शिवनाथ यादव, इमरान लारी, सनी प्रभात, अमरनाथ, दिलीप गिरी, दिनेश प्रसाद, शाकिर अली, मंटू यादव, रामवृक्ष राजभर, मनीष सिंह, यशवंत यादव, विजय यादव, अहमद मिर्जा, अरबाज रशीद, जयराम यादव, सुजीत पटेल, दिनेश पासवान, अमित वर्मा, बृजेश जायसवाल, अशोक आदि रहे।

अपने पशुओं का टीकाकरण और बीमा अवश्य कराएं पशुपालक

संवाददाता–देवरिया। क्षेत्र के रनिहवां गांव में मंगलवार को पशु पालन विभाग द्वारा कैम्प का आयोजन किया गया। जिसमें पशुधन प्रसार अधिकारी निशाकान्त तिवारी ने पशुपालक अपने पशुओं का टीकाकरण और बीमा अवश्य कराएं। उन्होंने कहा कि पशु पालन विभाग ने पशुओं को खुरपका और मुंहपका रोग का टीकाकरण करने के लिए रोस्टर तैयार करके टीकाकरण प्रारंभ कर दिया है। यह अभियान 30 अगस्त तक चलेगा, जिसमें विभागीय कर्मचारियों के साथ ही पशु मित्र सभी गांवों में भ्रमण करके पशुओं को टीका लगाएंगे। बैतालपुर ब्लॉक में 28 हजार पशुओं के टीकाकरण का लक्ष्य रखा गया है। पशुधन प्रसार अधिकारी निशाकान्त तिवारी ने कहा कि पशुपालक पशुधन बीमा योजनार्न्तगत अपने पशुओं का बीमा अवश्य कराएं। क्योंकि इस समय बीमा के प्रीमियम पर 75 से 90 प्रतिशत सब्सिडी सरकार दे रही है। बीमा कम्पनी ने सचेत किया है कि 19 अगस्त तक पशुपालक सब्सिडी का लाभ लेकर अपने पशुओं बीमा अवश्य करा लें। उन्होंने कहा है कि इसके बाद सब्सिडी का लाभ नहीं मिल पाएगा। इस दौरान पशुओं के टीकाकरण के साथ ही उन्होंने सूअर बाड़ा के आसपास दवा का छिड़काव भी कराया।

40 दिव्यांग बच्चों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

संवाददाता–देवरिया। गौरीबाजार बीआरसी पर शिविर लगा कर चिकित्सकों ने दिव्यांग बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और उन्हें सर्टिफिकेट बनाया गया। बेसिक शिक्षा विभाग व स्वास्थ्य विभाग ने संयुक्त रुप से मंगलवार को गौरीबाजार बीआरसी पर स्वास्थ्य कैंप का आयोजन किया। इस शिविर में 40 बच्चों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें दिव्यांग प्रमाण पत्र जारी किया गया। दिव्यांगता मिलने पर प्रमाण पत्र जारी किया गया। स्वास्थ्य शिविर में आर्थो सर्जन डा. केशव प्रसाद, नेत्र सर्जन डा. इकबाल खान, बाल रोग विशेषज्ञ डा. तैयूब अली, सुनील कुमार, दीपक कुमार, विशेष शिक्षक अभय शर्मा, सत्यप्रकाश सिंह, रविभूषण वर्मा, अरविन्द कुमार मौजूद रहे।

अपने आवास में मृत मिला अग्निशमन विभाग का फायरमैन

संवाददाता–श्रावस्ती। अग्निशमन कार्यालय में तैनात फायरमैन का शव संदिग्ध स्थिति में उसके ही आवास में मिला। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर जांच पड़ताल की। जिला मुख्यालय भिनगा स्थित जिला अग्निशमन कार्यालय में फायरमैन के पद पर तैनात राम जियावन (48) पुत्र भीखू सोमवार रात में खाना खाने के बाद अपने आवास में सो गया था। सुबह काफी देर हो गई लेकिन राम जियावन कमरे से बाहर नहीं निकला। इस पर साथी कर्मचारी उसे जगाने के लिए उसके आवास पर गए तो देखा कि राम जियावन विस्तर पर मृत पड़ा था। सूचना उच्चाधिकारी को दी गई। उच्चाधिकारी मौके पर पहुंच गए। साथ ही पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर कोतवाली भिनगा की पुलिस फारेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंची। फारेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच की और साक्ष्य संकलन किया।

नगर निगम स्वच्छ भारत मिशन के तहत अयोध्या को पूरे भारत में प्रथम स्थान दिलाने के लिए प्रतिबद्ध –महापौर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। अयोध्या नगर निगम स्वच्छ भारत मिशन के तहत अयोध्या को पूरे भारत में प्रथम स्थान दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राम का घर महाअभियान चलाया जाएगा, जिसमें प्रत्येक वार्ड से पार्षद के साथ वालंटियर (स्वयंसेवक) जोड़े जाएंगे उक्त जानकारी स्वच्छता अभियान का शुभारंभ करते हुए, महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने दी। उन्होंने बताया कि इस अभियान की जानकारी और जनभागीदारी बढ़ाने के लिए एक विशेष रथ का आयोजन किया जाएगा, जो अयोध्या के सभी 60 वार्डों में घूमेगा और लोगों को इस अभियान के बारे में सूचित करेगा। यह रथ वार्ड–वार्ड जाकर वालंटियर बनने के लिए प्रेरित करेगा और इस महाअभियान में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करेगा।

वालंटियर के चयन के पश्चात, उन्हें विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा ताकि वे अपने वार्डों में स्वच्छता और विकास के मानकों को सफलतापूर्वक लागू कर सकें। यह एक बृहत कार्ययोजना है, जिसके अंतर्गत 12 और विषय भी समायोजित किए गए हैं, ताकि अयोध्या को एक विकास के मानक पर पूरे विश्व के समक्ष रखा जा सके। जिसमें स्वच्छता प्रहरी, पथ प्रदर्शक, नव उद्यमी सहायक विशेषज्ञ, योजना त्वरित लाभ विशेषज्ञ, भूमि उर्वरता विशेषज्ञ, महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण और पुलिस आधुनिकीकरण विशेषज्ञ, मार्ग निर्माण विशेषज्ञ, पेयजल विशेषज्ञ, स्वास्थ्य सुरक्षा विशेषज्ञ, विदेशी दूतावास समन्वयक विशेषज्ञ, निजी क्षेत्र रोजगार विशेषज्ञ, पर्यटन विशेषज्ञ सामिल है। इस अवसर पर आलोक सिंह राणा, श्रीनिवास शास्त्री, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष मुकेश सिंह, रमेश गुप्ता राणा, शाश्वत पाठक, महेश नंदन सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

भगवान को प्राप्त करने का माध्यम गुरु ही है

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। आचार्य पीठ श्री लक्ष्मण किला में गुरु शिष्य की परंपरा सदियों से चला आ रहा है और वर्तमान समय में श्री लक्ष्मणकिला के महन्त श्री मैथिली रमन शरण महाराज की अध्यक्षता में गुरु पर्व गुरु पूर्णिमा उत्सव के रूप में बड़े धूमधाम से हर्षोल्लास क मनाया गया। सर्वप्रथम आचार्य पीठ श्री लक्ष्मणकल्लि के संस्थापक रसिकोपासना के महान रसिकाचार्य स्वामी श्री युगलानन्य शरण जी महाराज का विधि विधान से पूजन अर्चन वंदन किया गया तदोपरांत पूज्य श्री पंडित जानकीवर शरण महाराज पूज्य श्री रामदेव शरण महाराज का पूज्य श्री लक्ष्मणकल्लिपीठाधीश महंत मैथिलीरमण शरण महाराज ने समस्त पूर्वाचार्यो का पूजन वंदन किया गया और उसके बाद श्री महाराज जी का पूजन श्री लक्ष्मणकल्लि के अधिकारी सूर्य प्रकाश शरण ने किया और बताया कि गुरु बंदन से सब कुछ प्राप्त किया जा सकता है और गुरु भगवान ही है जो साक्षात्कार ईश्वर से कर सकते हैं इसीलिए गुरु का स्थान भगवान से भी बड़ा माना गया है।

वही अयोध्या ही नहीं बल्कि पूरे देश में श्री नाम की अलख जगाने वाले स्वामी आत्मानंद दास नेपाली बाबा श्री राम घाट पर स्थित नारायणधाम श्री सीताराम नाम आश्रम में गुरु पूर्णिमा के एक दिन पूर्व से ही शिष्यों का आवागमन प्रारंभ हो गया था और वह सिलसिला पूर्णिमा के बाद सावन के प्रथम सोमवार तक चला। इन तीन दिनों में गुरु पूर्णिमा के दिन उनके शिष्य महंत हंस राज दास नागा बाबा ने पूजन किया और उसके उपरांत उनके समस्त शिष्यों ने गुरु का पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर नेपाली बाबा ने कहा कि श्री राम नाम की अलख सभी को भव सागर से पार करती है और निश्चित ही जितने भी कार्य संपन्न हो रहे हैं उसमें श्री सीताराम नाम जप का सबसे अधिक प्रभाव है और वर्तमान समय में सबको श्री सीताराम जब करना चाहिए। मां सरयू के पावन तट पर विराजमान सिद्ध पीठ श्री रसमोद कुंज में भी गुरु पूजन किया गया जिसमें वर्तमान पीठाधीश्वर महंत रामप्रिया शरण गिरधारी महाराज का पूजन अयोध्या में आए हजारों शिष्यों ने किया और उन्होंने सबको आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अयोध्या ही नहीं पूरा विश्व गुरु और शिष्य परंपरा को किसी न किसी रूप में मान रहा है हमारे सनातन धर्म में आषाढ़ पूर्णिमा को हम लोग अपने गुरु का पूजन करके मानते हैं और शिष्य को हमेशा अपने गुरु को भगवान के रूप में देखना चाहिए।

घरेलू झगड़े में युवक ने फंदे से लटकर दी जान

संवाददाता–देवरिया। घरेलू झगड़े में युवक घर में फांसी लगा कर आत्महत्या कर लिया। घर वाले खाने के लिए बुलाने गए तो युवक को फंदे से लटकते देखा। यह देख घर में कोहराम मच गया। परिजन दरवाजा तोड़ कर शव को उतारा, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना पर पंहुची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया। युवक ने सोमवार की रात को किसी बात को लेकर परिजनों से लड़ाई झगड़ा किया था। सुरौली थाना क्षेत्र के सिसवां पाण्डेय निवासी कृष्ण मुरारी प्रसाद राजगीर मिस्त्री का काम करते हैं। उनके दो लड़कों में बड़े बेटे राजन की शादी हो चुकी है। दूसरा लड़का रोहित (18) की अभी शादी नहीं हुई थी और वह मजदूरी का काम करता था। वह नशे का आदी था और परिवार के लोग नशा करने से मना करते तो वह झगड़ा करने लगता था। सोमवार की रात किसी बात को लेकर परिवार में झगड़ा हो गया। वह गुस्से में घर के ऊपरी मंजिल पर एक कमरे में चला गया और दरवाजा बंद कर लिया। रात को नौ बजे घर के लोग उसे खाना खाने को जगाने गए, उन्होंने जगले से देखा कि रोहित कुंडी में लगी रस्सी के सहारे लटक रहा है। यह देख परिवार के लोग चीखने चिल्लाने लगे। दरवाजा तोड़कर परिजन के लोग अंदर पंहुचे और उसे फंदे से नीचे उतारा, तब तक उसकी मौत हो चुकी था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रोहित की मौत पर परिवार के लोग दहाड़े मार रोने लगे। पिता कृष्ण मुरारी व मां ललिता देवी का रो रोकर बुरा हाल था।

विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान की हुई समीक्षा बैठक

संवाददाता–श्रावस्ती। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में संचारी रोग नियंत्रण अभियान व दस्तक अभियान की समीक्षा हुई। बैठक में अभियान के तहत अब तक की जा रही गतिविधियों पर चर्चा हुई। साथ ही संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने अभियान से जुड़े जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि संचारी रोगों व दिमागी बुखार पर प्रभावी कार्यवाही करते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करें। अभियान के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां व आशा घर–घर जाकर लक्षणयुक्त व्यक्तियों का चिन्हांकन कर उनका नाम, पता व मोबाइल नम्बर सहित सम्पूर्ण विवरण ई–कवच पोर्टल पर डिजिटल अपलोड करें। क्षयरोग के सम्भावित रोगियों की भी जानकारी प्राप्त करेंगी। कुष्ठ रोग, फाइलेरिया व कालाजार रोगों के प्रति भी संवेदीकरण का कार्य करेंगी। उन्होंने पंचायती राज विभाग को निर्देशित किया कि खराब हैण्डपम्पों को जल्द से जल्द ठीक कराएं। जनपद में सुअरवाड़ों की स्थिति खराब है ऐसे में प्रत्येक मालिक से मिलकर उनको संवेदीकृत करें व छिड़काव कार्य कराया जाए। गांवों में झाड़ियों, तालाबों आदि की साफ–सफाई अभियान चलाकर की जाए। प्रत्येक विद्यालय में हैण्ड वाश की जानकारी दी जाए तथा उनके परिवार को भी इसके प्रति जागरूक किया जाए। गांवों में विशेष सफाई अभियान के दौरान गलियों, नालियों आदि की सफाई, झाड़ियों की कटाई, संचारी रोग से बचाव के लिए ग्राम वासियों के साथ बैठक आदि का आयोजन किया जाय तथा सफाई आदि के बारे में सूचित किया जाय। बैठक में सीएमओ डा. एपी सिंह सहित यूनिसेफ के प्रतिनिधि व समस्त प्रभारी चिकित्साधिकारी आदि मौजूद रहे।

हैवानियत की शिकार नाबालिग ने तोड़ा दम, गैंगरेप के बाद पिला दिए थे जहर

संवाददाता–कुशीनगर। 14 साल की लड़की के साथ 4 युवकों ने रेप किया। पीड़िता ने विरोध किया और परिवार को पूरी बात बताने की धमकी दी तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की। फिर हाथ पैर बांध दिए और जबरन जहर पिला दिया। 23 दिन के जीवन से संघर्ष के बाद आखिरकार गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में मंगलवार को उसकी मौत हो गई। मामला जिला मुख्यालय से 70 किमी दूर हनुमानगंज थाना क्षेत्र के एक गांव का है। मां ने कहा– बेटी ने पहले 2 आरोपियों के नाम बताए थे। फिर उसके शरीर में जहर इतना फैल गया था कि वह बोल नहीं पा रही थी। उंगली के इशारे से उसने बताया कि वारदात में चार लोग शामिल थे। परिवार ने पुलिस पर

केस में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है।वारदात के बाद परिवार के लोगों ने बेटी के बयान के आधार पर दो आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कराया। जब पीड़िता की हालत में कुछ सुधार हुआ तो उसने दो और आरोपियों के नाम राहुल और गोविंद बताए। परिजनों ने पुलिस से मांग की कि केस में अन्य दो आरोपियों के नाम जोड़ दिए जाएं। लेकिन पुलिस ने उनका नाम नहीं जोड़ा। अभी तक गिरफ्तारी सिर्फ दो आरोपियों की हुई है। दोनों को जेल भेज दिया गया है।एक आरोपी स्टीफन और दूसरे का नाम अंगद है। ये दोनों पीड़िता के ही गांव के रहने वाले हैं। वहीं, दो आरोपी अभी भी गांव में खुलेआम घूम रहे हैं। मामले में परिवार के लोग पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगा रहे हैं। रेप पीड़िता के बयान का उसके भाई ने वीडियो बनाया। वीडियो अस्पताल का है। जिसमें वो अपने साथ हुई पूरी घटना बता रही है। पीड़िता कह रही है– 4 लोग हमको उठाकर ले गए। वो लोग हमको पकड़ लिए, फिर गंदा काम किया। जबरदस्ती जहर भी पिला दिया। हम किसी तरह से बचकर आए थे

दगा दे रहा सावन, धान के खेत में पड़ने लगी दरार

संवाददाता–गोण्डा। एक पखवारा होने को है, ठीक से बरसात नहीं हुई है। अब किसानों की दिक्कतें बढ़ने लगी हैं। सावन शुरू हो गया है, लेकिन आषाढ में पर्याप्त बारिश न होने से किसान मायूस हो रहे हैं। मानसून की आमद के बाद भी अच्छी बरसात न होने से धान की रोपाई प्रभावित हो रही है। अगेती रोपाई की गई खेतों में दरार पड़ने लगी हैं। फसल में दीमक लगने का खतरा पैदा हो गया है। मानसून की आमद के बाद शुरुआती सप्ताह में तो अच्छी बारिश हुई। किसानों ने खेतों में नर्सरी तैयार कर उनकी रोपाई भी शुरू कर दी थी। उम्मीद थी कि आने वाले दिनों में और अच्छी बरसात होगी जिससे किसानों को नलकूपों व अन्य साधनों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। यह उम्मीद हकीकत नहीं बन सकी। करीब दस दिन से चरदा, जमोग,बाबाकुट्टी, बरवलिया सहित नेपाल सीमावर्ती इलाके में बरसात न होने से किसानों का उत्साह ठंडा पड़ने लगा है। जिन किसानों ने नर्सरी तैयार कर ली है। वह रोपाई की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। किसान जगत राम वर्मा का कहना है कि 20 से 25 दिन की तैयार नर्सरी की रोपाई कर देनी चाहिए।

अनियंत्रित पिकअप की ठोकर से फोरलेन पर युवक की मौत

संवाददाता–कुशीनगर। पटहेरवा थाना क्षेत्र के फोरलेन स्थित काजीपुर चौराहे पर मंगलवार की सुबह एक अनियंत्रित पिकअप की ठोकर से युवक की मौत हो गयी। जब कि एक महिला बुरी तरीके से घायल हो गयी। सूचना पर पहुची पुलिस व स्थानीय लोगों ने घायल को इलाज के लिये सरकारी अस्पताल भेजवाया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिये भेज दिया है।

पटहेरवा थाना क्षेत्र के काजीपुर चौराहे पर मंगलवार की सुबह फाजिलनगर से तमकुही की तरफ जा रही एक शब्जी लदी पिकअप काजीपुर पर चौराहे पर अनियंत्रित हो गई। चौराहे पर लगे सोलर के पोल से टकराते हुए चौराहे पर खड़े राजकुमार गोंड़ 32 पुत्र कैलास गोंड़ निवासी अहलादपुर और इसी गांव की फातिमा 50 को ठोकर मार दी। राजकुमार की घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गयी। महिला करीब 20 फिट दूर जा गिरी थी। पिकअप इसके बाद पुल से टकरा कर रुकी।

फातिमा यहां अपनी रिश्तेदारी में आई थी। इस दौरान चौराहे पर घण्टो अफरा तफरी का माहौल बना रहा। मौके पर जुटे ग्रामीणों व पुलिस ने घायल महिला को सड़क किनारे से उठाकर एम्बुलेंस से इलाज के लिये फाजिलनगर अस्पताल भेजवाया। महिला की गंभीर स्थिति को देख उसे कसया के लिये रेफर कर दिया गया।

एक करोड़ 63 लाख बजट मिलने के बाद भी नौनिहालों को नहीं नसीब हुई ट्यूबलाइट की रोशनी

संवाददाता–बलरामपुर। बेसिक शिक्षा विभाग भले ही नीति आयोग की रैंकिंग में अव्वल होकर अपनी उपलब्धियों पर इतरा रहा हो। लेकिन महकमे के अधिकारियों की लापरवाही से सरकारी विद्यालयों के छात्रों को भीषण गर्मी में पंखे की हवा एवं ट्यूबलाइट की रोशनी नसीब नहीं हो सकी है। इतना ही नहीं विद्यालयों को सरकार से कई मदों में लाखों रुपए निर्गत हो रहे हैं, लेकिन स्कूल रोशन नहीं हो सके। जिले में मौजूदा समय में बेसिक शिक्षा विभाग से 129 विद्यालय ऐसे चिन्हित किए गए हैं, जो बिजली खंभों के अभाव में ऊर्जीकृत नहीं हो सके हैं। इन विद्यालयों की बिजली पोल से दूरी महज 40 मीटर है। विद्युतीकरण के लिए मार्च माह में ही बिजली विभाग को एक करोड़ 63 लाख रुपए का बजट दिया जा चुका है। वहीं कंपोजिट स्कूल ग्रांट के रुपए से स्कूलों की वायरिंग दुरुस्त नहीं कराई जा रही है, जिससे नौनिहाल अंधेरे में पढ़ाई करने को मजबूर हैं और पंखे की रोशनी से वंचित हैं। बीते जुलाई 2022 में बेसिक शिक्षा को विद्युत महकमें ने झूठी रिपोर्ट देकर गुमराह करने का प्रयास किया था। परिषदीय स्कूलों में बिजली कनेक्शन देने के लिए तीन शिक्षा क्षेत्रों के 32 स्कूलों का चयन किया गया था। चयनित स्कूलों तक बिजली पहुंचाने के लिए बिजली विभाग को बजट भेज दिया। बिजली विभाग ने कार्यदायी संस्था का चयन कर स्कूलों की सूची थमा दी थी। इसमें प्रति विद्यालय कनेक्शन के लिए 7539 और दो स्कूलों में एचटी लाइन के लिए चाल लाख 39 हजार 848 रुपए दिए गए। 32 स्कूलों में लाइन तैयार कर कनेक्शन देने तक 32 लाख 36 हजार 978 रुपए बजट दिया गया था। कार्यदायी संस्था ने बजट तो खर्च कर दिया, लेकिन स्कूल आज भी अंधेरे में रहे। तत्कालीन बीएसए डा. रामचंद्र ने सत्यापन कराया तो 28 विद्यालयों में कोई कार्य कराया जाना नहीं पाया गया। सदर शिक्षा क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय महेशभारी में 374 छात्र नामांकित हैं। कक्षा एक, दो, छह व आठ में बल्ब व ट्यूबलाइटें नहीं लगी हैं। पंखा टूटा हुआ है। बरसात के दिनों में दो कमरों में पानी भर जाता है। अंधेरा होने पर बच्चों को बरामदे में बैठाकर तालीम हासिल करनी पड़ती है। इंचार्ज प्रधानाध्यापिका पायल अरोड़ा की मानें तो बरसात के दिनों में दो कमरे में पानी भर जाता है। जिसके बारे में विभाग को सूचना दी जाती रही है। इसी तरह प्राइमरी स्कूल गोंदीपुर में 217 बच्चे नामांकित हैं। यहां भी बल्ब व ट्यूबलाइट नहीं लगे हैं। कंपोजिट ग्रांट का पैसा कहां खर्च हुआ, कोई जवाब नहीं है। प्रधानाध्यापिका सूफिया नसरीन की मानें तो विद्युत उपकरण खराब होने पर उन्हें सही कराया जाता है। बल्ब फ्यूज होने पर नया लगाया जाएगा। यह सब स्कूल तो महज बानगी हैं। ऐसे में कई प्राइमरी कंपोजिट एवं उच्च प्राइमरी विद्यालय हैं, जहां बच्चे अंधेरे में पढ़ाई करने को विवश हैं। साथ ही भीषण गर्मी में छात्रों को पंखे की हवा नसीब नहीं हो रही है। इतना ही नहीं विद्यालय में लगे पंखे का हुक जड़ से निकल गया है। गनीमत यह रही की यह हुक जिस समय जड़ से निकला उस समय बच्चे उसके नीचे नहीं थे, नहीं तो एक बड़ा हादसा हो सकता था। उच्च प्राथमिक विद्यालय महेश भारी के पांच कमरे में एक भी पंख नहीं है। बिना पंखे के भीषण गर्मी में बच्चे एवं शिक्षक पठन–पाठन करने को मजबूर हैं।

शुभम शुक्ल, बीएसए ने कहा कि जिले के परिषदीय विद्यालयों में विद्युतीकरण के लिए जो बजट निर्गत किया गया है उसकी जांच कराई जाएगी। कंपोजिट ग्रांट से बल्ब व ट्यूबलाइट अध्यापको को लगवाने की जिम्मेदारी है। विभाग से 150 विद्यालयों में सोलर लाइटें लगी हैं। विद्युत पोल से स्कूलों में बिजली की व्यवस्था के संबंध में बिजली विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों से वार्ता की जाएगी।

संदिग्ध परिस्थितियों में आम पेड़ डाल से लटकता मिला युवक का शव

संवाददाता–बलरामपुर। बदलपुर उदईपुर निवासी युवक का शव गांव के दक्षिण आम पेड़ डाल से संदिग्ध परिस्थितियों में लटकता मिला है। उसके गले में प्लास्टिक की रस्सी बंधी थी। युवक मंगलवार सुबह घर से शौच के लिए निकला था। सुबह करीब आठ बजे उसका शव आम बाग में पेड़ की डाल से लटकता मिला। पुलिस टीम ने घटना स्थल की जांच की है। फोरेंसिक टीम ने घटना स्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्रित किए हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

बदलपुर उदईपुर निवासी शंकर दयाल गुप्ता एक साल पहले पत्नी की मौत के बाद नेपाल से दांग जिला चले गए थे। वहां उन्होंने कारोबार शुरू किया। उनका बड़ा बेटा संदीप अपने ससुराल में रहता है। पास के ही गांव में उसकी शादी हुई है। वह राजस्थान में रहकर कारोबार करता है। मझले बेटे 20 वर्षीय रंजीत व छोटे बेटे छोटू को साथ ले गए थे। मोहर्रम के पहले रंजीत व छोटू गांव वापस लौटे थे। रंजीत घुमक्कड़ स्वभाव का था। वह अक्सर घर से गायब हो जाता था। सोमवार रात भी वह घर नहीं लौटा। सुबह छह बजे वापस आते ही बोतल में पानी भरकर शौच के लिए चला गया। गांव के थोड़ी दूर दक्षिण दिशा में शंकर दयाल गुप्ता के आम का बाग है। पास में ही मदरसा बना है। पढ़ने जा रहे मदरसा छात्रों ने पेड़ की डाल से रंजीत का शव लटकता देखकर शोर मचाया। उसके गले में प्लास्टिक की रस्सी बंधी थी। सूचना पाकर महराजगंज तराई के प्रभारी निरीक्षक गिरजेश तिवारी हमराहियों के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। थोड़ी ही देर में सीओ ज्योतिश्री भी पहुंच गईं। घटना स्थल के चारों ओर फीता लगाकर वैरिकेटिंग कर दी गई। घटना स्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने कई बार ग्रामीणों को हटाना चाहा लेकिन वे टस से मस नहीं हुए। मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्रित किए। शव को डाल से नीचे उतारा गया। रस्सी व प्लास्टिक बोतल से फिंगर प्रिंट उतारे गए। पेड़ की डाल के भी प्रिंट उतारे गए हैं। गिरजेश तिवारी, प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घटना स्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य भी जुटाए गए हैं। प्राप्त पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई आगे बढ़ाई जाएगी।

डीएम ऑफिस में सास–बहू ने खुद के ऊपर डीजल छिड़ककर की आग लगाने की कोशिश

संवाददाता–संतकबीरनगर। मंगलवार की दोपहर बाद डीएम कार्यालय पर शिकायत लेकर पहुंची सास–बहू ने आत्मदाह का प्रयास किया। दोनों ने खुद के ऊपर डीजल छिड़क लिया और आग लगाने की कोशिश की। हालांकि मौके पर मौजूद पुलिस और एलआईयू की टीम ने काफी प्रयास कर दोनों को बचाया।

कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के मड्डई की रहने वाली सुमन यादव पत्नी स्वर्गीय धर्मेंद्र यादव अपने सास के साथ डीएम कार्यालय पहुंची। सुमन के पति की हत्या कुछ दिन पूर्व भूमि विवाद में पड़ीदारों ने कर दिया था। मामले में आरोपी जेल में हैं। जिलाधिकारी के निर्देश पर राजस्व टीम ने आरोपियों के भूमि की पैमाईश किया तो उनका मकान गड़ही और बंजर की भूमि पर होना पाया गया। पैमाईश के एक महीने बाद भी कार्रवाई न होने से पीड़ित सुमन ने यह कदम उठाया। सुमन ने कहा कि उसे न्याय नहीं मिल पा रहा है। प्रशासन का चक्कर लगाकर वह थक चुकी है। ऐसे में यह कदम मजबूरी में उठाना पड़ा है। आत्मदाह के प्रयास की सूचना पर सीओ और एसडीएम सदर मौके पर पहुंच गए।

इक्कीसवीं सदी की चुनौतियों के लिए हर बच्चे को तैयार करें

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के डायट प्राचार्य धीरेन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि आज हमारे सरकारी स्कूलों में उच्च कोटि की शिक्षण व्यवस्था के लिए विभाग और शिक्षक मिलकर काम कर रहे हैं। हमें हर बच्चे को इक्कीसवीं सदी की चुनौतियों के लिए तैयार करना है। निपुण भारत मिशन हर बच्चे को निपुण बनाने की गारंटी की दिशा में कार्य कर रहा है। वे जनपद के एआरपी का पांच दिवसीय बुनियादी भाषा और गणित पर आधारित प्रशिक्षण के दौरान संबोधित कर रहे थे।

सीमैट प्रयागराज से प्रशिक्षण प्राप्त मास्टर ट्रेनर हर ब्लॉक के पांच–पांच एआरपी को ट्रेनिंग दे रहे हैं। डायट में प्रशिक्षण प्राप्त मास्टर ट्रेनर ब्लॉक स्तर पर कक्षा एक से पांच तक के सभी शिक्षकों को प्रशिक्षण देंगे। मास्टर ट्रेनरों ने बताया कि प्राइमरी स्कूलों में इस वर्ष से कक्षा एक और दो में एनसीईआरटी की हिन्दी, गणित और अंग्रेजी की पुस्तकें लागू की गई हैं। नवीन पाठ्य पुस्तकों से उच्च स्तरीय शिक्षण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सभी शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। ट्रेनरों ने बताया कि कक्षा एक से पांच तक हिन्दी और गणित की पढ़ाई की सर्वश्रेष्ठ विधियों को सरलता से सीखने और कक्षाओं में उपयोग के लिए प्रत्येक विद्यालय के लिए संदर्शिका तैयार की गयी है। संदर्शिका की सहायता से प्रत्येक शिक्षक अपनी कक्षाओं में विश्व स्तरीय शिक्षण विधियों से पुस्तकालय, चित्रचार्ट, कहानी चार्ट, बिगबुक, पोस्टर, गणित किट, गणित कार्ड आदि का सर्वश्रेष्ठ तरीके से उपयोग में सक्षम हो सकेंगे।

सेब खाकर दो सगी बहनों की बिगड़ी तबीयत, एक की मौत– दूसरी गंभीर

संवाददाता–संतकबीरनगर। मेंहदावल क्षेत्र के गोविंदपुर मईला गांव में सेब खाने के बाद अचानक दो सगी बहनों की तबीयत बिगड़ गई। घर में हड़कंप मच गया। परिजन आनन–फानन में बच्चियों को मेंहदावल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर गए, जहां उपचार में दौरान एक की मौत हो गई। वहीं, दूसरी बहन की हालत नाजुक होने पर उसे उपचार के लिए गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मृतक बच्ची का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। मेंहदावल थाना क्षेत्र के गोविंदपुर मईला निवासी शेखर यादव की दोनों पुत्री मनीता यादव (19) व संगीता यादव(8) ने सोमवार का उपवास रखा था। देर रात 10 बजे गांव के पास स्थित बाराखाल चौराहे से सेब लाकर खाया। इसके बाद दोनों सोने चली गई। कुछ देर बाद ही दोनों की स्थिति काफी बिगड़ने लगी। सीने व पेट में दर्द व गले में दर्द की शिकायत परिवार के लोगों से किया। दोनों को मेंहदावल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जहां पर छोटी बेटी संगीता यादव को चिकित्सकों में मृत घोषित कर दिया। मनीता को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में स्थिति गंभीर देख उन्हें गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। पिता शेखर यादव तथा परिजन भी बच्चियों के व्रत का जिक्र करते हुए बताया की बच्चियां सेब खाकर सोने चली गई थी। रात में अचानक पेट दर्द की शिकायत किया और तब हम लोग दोनों बच्चियों को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, जहां छोटी बेटी संगीता को डॉक्टर ने मृत्यु घोषित कर दिया जबकि दूसरी बेटी का इलाज गोरखपुर में चल रहा है।

संदिग्ध परिस्थिति विवाहिता ने लगाई फांसी, मौत

वाराणसी (आभा)। टिकरा गांव (मिर्जामुराद) में सोमवार देर रात पति से विवाद के बाद कमरे में गई विवाहिता ने पंखे में दुपट्टा के सहारे फांसी लगाकर जान दे दी।

मिर्जामुराद थाना क्षेत्र के टिकरा गांव निवासी अभिषेक सिंह (गोलू) की 23 वर्षीय पत्नी सेजल सिंह सोमवार रात खाना बनाकर कमरे चली गई। चर्चा के सनुसार उसी दौरान किसी बात को लेकर पति अभिषेक से विवाद हो गया।विवाद के बाद अभिषेक कमरे से बाहर आकर हाल में सो गया। मंगलवार सुबह पति अभिषेक जब कमरे का दरवाजा खुलवाने लगा तो दरवाजा नही खुला तो परिजनों के साथ मिलकर दरवाजा तोड़कर खोला गया तो देखा कि पत्नी सेजल पंखे में दुपट्टे के सहारे फांसी का फन्दा लगाकर झूली हुई है। परिजनों द्वारा विवाहिता के मायके चंदौली जिले के अलीनगर थाना क्षेत्र के कुडरिया निवासी विवाहिता के पिता मनोहर सिंह को सूचना दिया गया। सूचना के बाद मायके वाले विवाहिता के ससुराल पहुंच गए। विवाहिता के पति द्वारा घटना की सूचना पुलिस को दिया गया। सूचना पर एसीपी (राजातालाब) अजय कुमार श्रीवास्तव व प्रभारी निरीक्षक मिर्जामुराद अजय राज वर्मा पहुंचकर शव को पंखे से नीचे उतरवाने के बाद फोरेंसिक टीम को सूचना दी। फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल करने के बाद चली गई। पुलिस ने विवाहिता के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेजने के बाद विवाहिता के मौत की जांच पड़ताल में जुट गई। विवाहिता के शादी को अभी दो वर्ष ही हुए थे। विवाहिता बी.ए प्रथम वर्ष की छात्रा बताई गई।

कार्यालय नगर पालिका परिषद बस्ती

पत्रांकः 2193 / न०पा०प०ब०/ दिनांक 23–07–2024

अति अल्प कालिक निविदा सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण / इच्छुक फर्मों को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद बस्ती सीमान्तर्गत पड़ने वाले कॉवरिया सहित अन्य त्योहारो पर जगह–जगह टेन्ट, लाउडस्पीकर, सी०सी०टीवी० कैमरा लगाकर अस्थायी व्यवस्था वर्ष 2024–25 में कराये जाने हेतु दिनांक 29. 07.2024 को अपरान्ह 02.00 बजे तक नगर पालिका परिषद बस्ती में स्टोर कीपर (सामान्य) के पास जमा किया जायेगा तथा उसी दिन सायं 04.00 बजे निविदादाताओ / उनके अधिकृत प्रतिनिधियो के समक्ष खोली जायेगी। निविदा डालने हेतु इच्छुक फर्म/व्यक्ति स्टोर अनुभाग (सामान्य) से दिनांक 29.07.2024 समय दोपहर 12.00 बजे तक किसी भी कार्य दिवस में निविदा प्रपत्र निर्धारित मूल्य 200. 00 जमा करके प्राप्त कर सकते है निविदा प्रपत्र के साथ मु० 2000. 00 जमानत धनराशि राष्ट्रकृत बैंक से जारी डिमाण्ड ड्राफट / एन०एस०सी०/एफ०डी०आर०, जो अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद बस्ती के पद नाम से बन्धक होगा, संलग्न करना अनिवार्य है। स्टोर अनुभाग में प्रयुक्त होने वाली सामग्री का विवरण निविदा प्रपत्र में मौजूद होगा। निविदा के सम्बंध में किसी भी प्रकार की जानकारी स्टोर अनुभाग में किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त किया जा सकता है। दर स्वीकृत होने के उपरान्त पालिका द्वारा त्योहारो पर आवश्यकतानुसार अस्थायी टेन्ट, लाउडस्पीकर, सी०सी०टी0वी० कैमरा आदि लगाकर व्यवस्था करना होगा। निविदा बिक्री/खोलने की तिथि को अवकाश पडने की स्थिति में अगले कार्यदिवस को निविदा प्रपत्र की बिकी व निविदा प्राप्त की जायेगी। किसी एक व सभी निविदाओ को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार मा० अध्यक्ष महोदया में निहित होगा। सशर्त निविदा स्वीकार नही की जायेगी।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद बस्ती

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान दशम अति० सिविल जज (जू0डि0) बस्ती महोदय जिला–बस्ती
वाद सं0 284/2000
हरिशंकर
बनाम
दुर्गा प्रसाद आदि

1/1 अनिल कुमार 1/2 आशीष कुमार पुत्रगण स्व0 दुर्गा प्रसाद निवासीगण मौजा बेलवाडाड़ी तप्पा देवरांव परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती 4/1 प्रमोद कुमार 4/2 पिन्टू पुत्रगण सुवाष निवासीगण मौजा बेलवाडाड़ी तप्पा देवरांव परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 27–07–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 27 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
मुकदमा सं0 5524/2022
धारा 144 उ0प्र0रा0सं 2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी बांसी जिला–सिद्धार्थनगर
पथरू
बनाम
जगपाल आदि

1. जगपाल 2. सुखपाल 3. मनीराम पुत्रगण रघुनाथ साकिनान बिशुनपुरवा तप्पा खेसरहा परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर
–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
4. बालेश्वर पुत्र गया 5. रामसरन पुत्र दुःखी साकिनान बिशुनपुरवा तप्पा खेसरहा परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर
–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग
6. ग्राम पंचायत विशुनपुरवा द्वारा प्रधान/उ0भू0प्र0स0 ग्राम पंचायत बिशुनपुरवा तप्पा खेसरहा परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर 7. उ0प्र0 सरकार द्वारा जिलाधिकारी महोदय सिद्धार्थनगर
–प्रतिवादीगण तृतीय वर्ग

तारीख पेशी 07–08–2024

वाजेह हो कि नेाटिस नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 07 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 19 माह 07 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
M.A.C.P.N0 57/2020
अदालत–श्रीमान समक्ष मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण महोदय जिला–बस्ती
नेहा श्रीवास्तव
बनाम
रजनीश कुमार आदि

4. शंकर सिंह पुत्र स्व0 राम प्रसाद सिंह (मूल निवासी) सालेमगढ़ थाना तरया सुजान जनपद कुशीनगर हाल मुकाम निवासी ई0वी0 101 बड़ी गैवी वी0डी0ए0 कालोनी वाराणसी (वाहन स्वामी ई रिक्शा संख्या UP 65 FT 3930)
5. अमरजीत कुमार मोहन महतो निवासी ग्राम मालपुर थाना छौड़ही ओ0पी0 जिला बेगूसराय (हाल मुकाम) रघुनाथपुर सारनाथ जनपद वाराणसी (चालक ई रिक्शा संख्या UP 65 FT 3930)

तारीख पेशी 25–07–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 25 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 23 माह 07 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

कलेक्शन एजेंट को गोली मार एक लाख की लूट

वाराणसी (आभा)। चांदमारी हरहुआ रिंग रोड पर फांटेशिया वॉटर पार्क के निकट बाइक सवार तीन बदमाशों ने फाइनेंस कंपनी के कलेक्शन एजेंट के पैर में गोली मारकर 1 लाख लूट लिए और भाग निकले। दिनदहाड़े वारदात के बाद आसपास के इलाकों में दहशत की स्थिति है। भदोही के औराई निवासी योगेश यादव चांदमारी में एक फाइनेंस कंपनी में कलेक्शन एजेंट का काम करता है। वह मंगलवार सुबह करीब 10रू00 बजे चांदमारी होते हुए रिंग रोड के रास्ते वाटर पार्क के निकट एक गांव में कलेक्शन करके निकला था। रिंग रोड से करीब 200 मीटर पहले ही बाइक सवार बदमाशों ने उसके पैर में गोली मार दी। बाइक से योगेश के गिरते ही रुपए भरा बैग लेकर रिंग रोड होते हुए भाग निकले। सूचना पर एडीसीपी वरुणा जोन सरवणन टी, एसीपी कैंट विदुष सक्सेना, शिवपुर पुलिस पहुंची। सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती महोदय जिला–बस्ती
वाद सं0 578/88
हरिश्चन्द्र
बनाम
सीताराम आदि

3/1 तारा उम्र करीब 45 वर्ष पत्नी वनारसी 3/2 संगीता उम्र करीब 25 वर्ष पुत्री वनारसी 3/3 अंजनी उम्र करीब 20 वर्ष पुत्री वनारसी 3/4 प्रियंका उम्र करीब 18 वर्ष पुत्री वनारसी 3/5 सचीन नावालिग पुत्र वनारसी संरक्षिका माता स्वयं तारा देवी 3/6 अंशिका नावालिग 3/7 रंजनी नावालिग उम्र 10 वर्ष पुत्रीगण वनारसी संरक्षिका माता स्वयं तारा पत्नी वनारसी 2/1/1 पवन कुमार उम्र 28 वर्ष पुत्र स्व0 राम सुरेश 2/1/2 श्रीमती रामरती देवी उम्र 65 वर्ष विधवा राम सुरेश समस्त निवासीगण कठौतिया तप्पा हवेली परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 01–08–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 01 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
M.A.C.P.N0 60/2020
अदालत–श्रीमान समक्ष मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण महोदय जिला–बस्ती
पुष्पा श्रीवास्तव
बनाम
रजनीश कुमार आदि

4. शंकर सिंह पुत्र स्व0 राम प्रसाद सिंह (मूल निवासी) सालेमगढ़ थाना तरया सुजान जनपद कुशीनगर हाल मुकाम निवासी ई0वी0 101 बड़ी गैवी वी0डी0ए0 कालोनी वाराणसी (वाहन स्वामी ई रिक्शा संख्या UP 65 FT 3930)
5. अमरजीत कुमार मोहन महतो निवासी ग्राम मालपुर थाना छौड़ही ओ0पी0 जिला बेगूसराय (हाल मुकाम) रघुनाथपुर सारनाथ जनपद वाराणसी (चालक ई रिक्शा संख्या UP 65 FT 3930)

तारीख पेशी 25–07–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 25 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 23 माह 07 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
M.A.C.P.N0 62/2020
अदालत–श्रीमान समक्ष मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण महोदय जिला–बस्ती
पुष्पा श्रीवास्तव
बनाम
रजनीश कुमार आदि

4. शंकर सिंह पुत्र स्व0 राम प्रसाद सिंह (मूल निवासी) सालेमगढ़ थाना तरया सुजान जनपद कुशीनगर हाल मुकाम निवासी ई0वी0 101 बड़ी गैवी वी0डी0ए0 कालोनी वाराणसी (वाहन स्वामी ई रिक्शा संख्या UP 65 FT 3930)
5. अमरजीत कुमार मोहन महतो निवासी ग्राम मालपुर थाना छौड़ही ओ0पी0 जिला बेगूसराय (हाल मुकाम) रघुनाथपुर सारनाथ जनपद वाराणसी (चालक ई रिक्शा संख्या UP 65 FT 3930)

तारीख पेशी 25–07–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 25 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 23 माह 07 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन (आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 143/2020
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0)/एफ0टी0सी0 सिद्धार्थनगर
कृष्ण चन्द्र दूबे
बनाम
मेराज अहमद आदि

1. मेराज अहमद पुत्र अब्बास अली उम्र लगभग 23 वर्ष 2. सिराज अहमद पुत्र अब्बास अली उम्र लगभग 22 वर्ष साकिनान मौजा जमोहना तप्पा कोट परगना बांसी पश्चिम तहसील इटवा पोस्ट इटवा जनपद सिद्धार्थनगर हाल पता बगला नं0 08 निकट गांव पंचायत कुटी हवेली पोण्डा गोवा 3. हरीश चन्द्र दूबे पुत्र बेनी माधव दूबे उम्र लगभग 80 वर्ष साकिन कपिया नकटी तप्पा हीर परगना बांसी पश्चिम तहसील इटवा पोस्ट इटवा जनपद सिद्धार्थनगर हाल पता मिर्जापुर पचपेड़वा नकहा मार्ग रेलवे लाइन के पास वार्ड नं0 24 गोरखपुर 4. गिरीश चन्द्र दूबे पुत्र स्व0 बेनी माधव दूबे उम्र लगभग 78 वर्ष साकिन कपिया नकटी तप्पा हीर परगना बांसी पश्चिम तहसील इटवा पोस्ट इटवा जनपद सिद्धार्थनगर वर्तमान पता कमला निकेतन बेतिया हाता गोरखपुर

तारीख पेशी 28–08–2024

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **28–08–2024** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख 18–07–2024 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी राम मूरत यादव पुत्र स्व0 श्री राम प्यारे यादव ग्राम– मरहा पोस्ट– कटया थाना नगर जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी है। मेरा पुत्र श्याम बहादुर यादव और उसकी पत्नी उपासना यादव परिवार के कहने सुनने में नहीं हैं, आये दिन कलह और विवाद किया करते हैं। वे मुझे और मेरी पत्नी प्रभावती यादव को मारने पीटने के साथ ही घर से भगा देते हैं। इससे प्रार्थी काफी आहत है। मैं अपने पुत्र श्याम बहादुर यादव को अपने और अपनी पत्नी प्रभावती यादव के नाम दर्ज चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहा हूं। अपने किसी भी कृत्य, लेन देन आदि के लिये वह स्वंय जिम्मेदार होगा। प्रकाशन इसलिये करा रहा हूं कि वक्त जरूरत पर काम आवे।– दिनांक 22–07–2024

दैनिक
भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com